





सर्गः हानानः समुद्रतादये यायेतथु गलिवर्तनतरेजु ईव ॥ अने गजुने
भोगसुखभोगयायदैवः विस्रुआदिनीः नानादेवयाकथाहान्येने ईव ॥
हनीः ईहभो कर्त्तः परलोकर्त्तः नुगुतिमुगुतिदैवधर्की ॥ श्रीवासुदेव
विस्रुर्न ॥ आग्यादये कर्त्तः ॥ इति श्रीब्रह्मापुराणेः एकादशिवर्तकथा
हर्त्तपुनसमापत्तः ॥ ॥ वादृष्टापुसतर्की ॥ सुखअसुखवाममदोष
गर्त्तये ॥ ॥ ॥ ॥

स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ पिनासको कथा लभन्तु सुन हवत् ॥
श्रीइन्द्रासहा माः श्रीमहादेवः श्रीपार्वतिः यकाविद्यानामा वस्तु म
याकोरुहेधन ॥ तस्मैवेत्ता माहाः श्रीमहादेवकनः लहृदिदुतेछरहे
पार्वतिमतेक विंतिगर्दुसुन हवत् ॥ भन्दापार्वतिलेः क्याभन्नुहुधभन्नु
हवत्ः भन्दाः मेरा लहृदुतेमतामंतलोकमाजाहु भन्दाः पार्वति भ
नकिन् ॥ हेमहादेव स्वामिः हेपरमेस्वरः मैलेथामेराथामिन्यादेनो ॥

जादाता जानु हवत्ः वहुतैदिरान वस्तु होलाः १०। ११ दिन मा आईपुजु
होला भनि पार्वतिले भनकिन् ॥ श्रीमहादेव भनकिन्ः चादै आइलाम
निविदा भैमंतलोक माहागईवस्थाः वस्ता वस्ताः १०। ११ यिषपु आई
पामुपानरुक्ता भयोः क्या भयोः घरपतिविस्पादन्ः चादै आइलाम भनि
गया का आइ भयेनन् ॥ श्रीपार्वतिका मनमाहावदो सुतो भयोः वस्ताहा
लाई योजन जाई भनि पथारि मंतलोक माहावसाहागयो ॥ योजन

बो ज दा महा अवसा अवसाले भेत भयोः श्री महादेव वसाहा सखा
देः वसाहाले विसाह गच्छतः श्री महादेव हे स्वामि हज्यु ले कैलास
हा चादै पाईला गनु हव स भनिः सलाई पथां हुनु भयोः चादै जान्या
हो भनि वसा विंति गच्छत ॥ श्री महादेव भन्दनः चुपला गिरहः पकि
जाईला भनि महादेव भन्दन ४ महादेव पनि आयेन नः पोजन जा
न्या पनि आयेनः दुई जना मिल्या र आयेन नः ॥ फेरि तिमि जाई व भनि

सिखलाई पथायेन नः ॥ सिखत गार भयो विदा भै सीत लोक गयो र ॥
भेत पनि ताछे दे विदे वा दे वि भयो त गित च पर्न पनि घानः घान
पायेन नः मैरा वसाहा घान भनि आई म प आहा आई न हुदै न ॥
भनि महादेव ले भन्या रः विचै दे वि फर्कि पा वति छेई गयो ह वि
सारा गये र ॥ पार्वति भनि ननः चुपला गिरहः अवन्या जु गुति म ग
हैला भनि पार्वति भन्द छिन ॥ आफना कायि को मयेल भिकि पिना

स वनाई नरु वनाई स क्या पदिः पिनालाई इपदे सदि ई न ॥ पार्वति
लेः पिना सलाई भनि न ॥ श्री माहादेवः मंत लोक मा वस्यो का छन ॥ ध
पिना सजाई नरु श्री माहादेव काना वभिन्न पत्न्यरुः श्री माहादेव को माछ
नपनि दूखला जोठे पनि आईलाः कान पनिः चिलि चिली ल्याई लाः ना
व का द्वार वातः सिगान पनि आई सारुः घर स मुरुनः आफै स मुरि आई
श्री माहादेव कवि दामि भयारुः वसा हल्लाई व वरु ग्या ॥ श्री माहादेव

लेः वसा हल्लाई भन्याः मता विदामि भयाः भव कैलास मा जाई भनीः
वसा हाछे ई भन्यारुः उहि घरित यारु भै कैलास मा आयारु ॥ श्री पार्वति
छे उः भेत भयोरुः मता विदामि भयोरु आयारुः वषति गरि दिई भन्यारु ॥
तेस्मै हल्ला भनिः चादै पाई लागनु होला भन्या को होः फिकुन मानु हो
ला ॥ हामि वषति गरि दिई ला रनि को होला ॥ पार्वति लेः पिना स
कि दिई न ॥ श्री माहादेव निको भयोः श्री माहादेव ॥ श्री पार्वति स गव

स्यामाः उत्तै वषतः मलपिना सले विंति गये ॥ भो पर मे स्वरिः मैले का
हा जाई जि मि का गन्या हो भनिः विंति ग री तैले मीत लोक मा जाई ॥ अ
नित दु पा दे का स्नान गन्या धु गो छः धु लो छः वहि जाई म ये ल चा निव
छा जा भनि वि दा दि या र ॥ पि ना स मीत लोक मा वस आ योः वहि धु गा
मा वस्य को ठि योः वस दा वस दाः छो रा छो रि वि न्द वहि भ याः हा मो दु दि
न र हे छः हा मि वन मा ग या का थि ई ई ॥ अनित दु पा दे का वृत्त निः

बु हा रि ह त ले त्रु गा चो या को ता तो प्रा नि उत्तै धु गा मा पो थि या र ॥ पि
ना स कोः छो रा छो रि स वै म रि ग या छ न ॥ व न दे वि दू वै वृ ऊ वृ छि छ
र आ उ च ताः पि ना को छो रा छो रि स वै म च को दि यो र ॥ रो हि क र ईः
स रा दि योः हा मि ले क सो ग न्या हो भ न्याः हा मा प नि छो रा छो रि स वै मा
रि दि योः ते स्का भ नि स वै जा हा नै मा रि दि उ भ नि स तो ग या र ॥ गा ई का
धु न मा हा जा ई व लो र दू द दु द न आ उ ला उत्तै दु द मा प लू ला र उ हि दू द
स वै ले यान न र स वै ज ना म न र हा मा छो रा छो रि क ले ले छु वै न न ॥

भनि विष्वारि दिया को हो ॥ ब्रह्मन को परियाह सवै सारि दिओ ॥ एक
अनिहउ पादे वाचा को थियो ॥ उहि पनि दहलेः एक मना चिहुराः ये
कठे किहहि लिये र भाग्येः भाग दा भाग दाः वानर्गि जानदि सा पुग्यो रा
अवता भोग लाग्येः अस्नान गरि आउलाः ते ठे किहः त साल को मो को का
मुना का त य साजुरा याह वा का बहुरा उन्ये के ताह त ह्य छन ॥ दूई जना
त सा बा काले ठे किह त साल आइ दि ला हे रि दि या भनीः आ ~~कु~~ अ

स्नान गर्न ग या ॥ के ता हे त लेः हे रि व स्याः व स्या व स्या साः ठे कि भी व पि
ना त वो ल्या को लु न्या टः जसु वा न्याल ~~दू~~ दूई जना ले लु न्या छन ॥
ये क छरि पछिः अनितउ पादे आइ न पु ग्यो टः दहि चि उरां अ न्दु भनि
लि टा गी दाः जसु च न्यालः दू वैं जना ले भ न्याः इ दहि र चि उरा वानु छे
नः भनि दि योः क्य अ थले भ नित भनिः अनितउ पादे ले भ न्या ॥
यो द हितः हा मि १ दूई जना ले वो ल्या को लु नि मो क्य भ न्द न भ न्या ॥ ये
त ब्रह्मन का परियाहः सवै सारि दि याः अव ले स्वन पनिः यो द हि ज

सैखान्दः तेषां निमर्द्धभनिः जसु चन्दाले भन्दा वा योनद्धः कसो गन्धाहे
भन्दाः जसो चन्दालेः आगो माता विभस मगरि पोसिदे उभन्दाः पोसि
दियोः आ माता विदियोः पदि आगो काता पमा हासहन हाकेनरा ॥
मकन पाया सागिकः निमि हतलेः जो भन्दाः सो मानुला भनिः पीना
सकोठे कि पाया सागिका पदिः पीना तले भन्दा ॥ हे मनुवाहि
छोटा छोटा मारि दियाः सवैला इरिस उठे छः मेरा पनि छोटा छो

रिमादि दियोः मैले पनि दिषधारि दिया को हो ॥ मेरा जिमा ध
का आयोरत व अवदेवि कसे पनिः पिना तले वैनः कर्थ कसचित्त
मैगयाः पिनास को कथा हासना इदियाः नि को हो ईजा ॥ मा हा
देवः पार्वति को वाचा ॥ सादिवान गगान दि १ अनितन्दु पादे
कामुना को वोतः जसो चन्दालः इति पावजना सादि छन ॥
पिनास कसे लाई हुवैन ॥ सात गंगा पार जाः गौरा पार्वति को

इसई सुभरि ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥ राम ॥

आगरा सायनम ॥ श्री गुरुदेव नमः ॥ श्री गुरुदेव नमः ॥

आगरा सायनम ॥ स्य प्रा ध्याये प्रव भ्यामि बृहस्पतिमतये ध्यायेन विज्ञानमा
त्रा जाये। तेन सुभमरात्रि कप्रथमप्रहरमा स्य प्रा देव्या को वर्य दिनमा कृतमिता
दोहरा प्रहरमा स्य प्रा देव्या को फलद मैदा मामिह ॥ ते सरा प्रहरमा स्य प्रा
देव्या को फलति नमहिनामा मिह ॥ चौथा प्रहरमा स्य प्रा देव्या को फल
दे दमहिनामा मिह ॥ चार चरा रात दृष्टा देव्या को स्य प्रा को फल यकमहिना
मामिता आचराता देव्या को स्य प्रा को फलद सा दिनमा मिता ॥ मनुष्य ते स्य प्रा दे
व्या प्रादितु निर्दिष्टा आये स्य प्रा वि को देव्या पतिन वि को देव्या पति स्य प्रा को फल
तला गेन ॥ जो दिनमा आ प्राप्त नमा मया को वात दृष्ट दृष्ट स्य प्रा देव्या को सा बाहु
देन स्य प्रा ॥ नागा देमा हा नमो गो रुमा पर्वी तमा पवेत वन पुति मा रुष मा
अस वारा गमा को नर्कता ग्या को मया प्रा फल रोया को आ पु र मया को देव्या
सुम फल होला धान मिता बा ठमा चधि विना हा त विजया को मोरा बाधा
सो स्य प्रा देव्या धनता होता ॥ ह ध्या र चलाव को आ फल अंगमा किरा पत्ता

को देखा आकर अंग माया उलाज को देखा स भक्त होता ॥ स्था प्रा मा ग्री प्र
वे सगत्या को नर्क पया को आ फु विर्न आ फु ले या या को ॥ व स या को ना उता
कु वान दिस मु द मा जल पिया को आ प्रा मा वि भग्न फु पु उ हार रस गगन गला को
व दो कृत दस मा मा न मि
व दो कृत दस मा मा न मि

सुन को मोर वे कृत स्क न धरा धाम्ये पक्षार वा च होता ॥ ॥ स्था प्रा मा द्यो जग्य

को अन्न आया को फल फल पाया को कं न्या दे ध्य को निसान दे ध्य को व दो पल होता

स्थ प्रा मा पानिते मया को दे ध्य दो लि दे ध्य प्रा ह्न दे ध्य धर दे ध्य पान दे ध्य स्तर

को प र्या दे ध्य व स्या सित हा स्या को दे ध्या ल धि मि ला ॥ द धी उ द ध्य या को

दे ध्या धन मिता गा इ को उ द दे ध्या सु म फल होता ॥ धन मिता ॥ जो मे गत्या को दे

ध्या सर्व सि धा हु न्द ॥ ॥ व ध्या ता भ हु द ॥ ॥ स्था प्रा मा पु ल ला ग्या को फल ला ग्या

को रू ष दे ध्या फल या या को फल क सै ले त्या या को दे ध्या सु म फल हु द ॥

स्था प्रा मा भु लो नं दि मा गै क न सु स्या त्या को दे ध्या स मु द्र त त्या को दे ध्या दू र

वा कर नाने वा ज्ञात का धर मा न ध्या को दे ध्या रा ग गत भु लो नाने मिता ॥ ॥

स्था प्रा मा ज स्तो म नु ध्य को मा सु र्या द पा क ध्या को हरा या पु ल ला वा द म नु ध्ये

को गो हा या या को सै गु न ता भ हु द ॥ ता त वा सह गु न ता भ हु द ॥ स्ति र वा या रा ज ता भ हु
मि ता भ हु य ता भ हु द ॥ ॥ ॥ स्था प्रा मा स हर मा क धर मा धा जो ले व ह र द सो गा उ दे

स को माये सुंद। स्य प्रा मा जो न त पा उ द त त स्कन भुलोला महुं द॥ स्य प्रा
मा जो उ द हु ल्या प्रल हु न्या ह स च धं द रू खै मा चा धि वि जं द त स्क रा च न ला
उ द स्य प्रा मा जो वि ष य म नु स्ये को अस धार ग दे त स्क न व हु त रा धि रा मा डे
प्र वा स जा नु प दे ॥ प्र वा स मा त चा लो क र्क ॥ ॥ स्य प्रा मा ज स्ये ना दान उ द
मु ष ना त दु भं द त स्यो ध हो नि हु द ॥ सरार मा पि दा हु द ॥ ज स्ये स्य प्रा मा तिल
का ते ल र्थां द धि उ वि र र्थां द व ता ल ते प्र भ ग ग र्हा ॥ त स्क रा रोग ला ग ॥ ज स्य स्य प्रा
मा तिल को र्थां द ॥ धि उ वि र र्थां द ॥ स्य प्रा मा जो ग द ह माः भौ सि मा यदि द भा ना दिस
ति र जा नु दः त स्ये श्र व स्य र त्प हो ता ॥ ॥ स्य प्रा मा ज स्क रा स्य पे त सा प ते द हि

ना अ ग मा उ ग द्या उ वा दुर क मा उ ह दः त स्क रा द ल दि न मा त्र र्मा ला हं द ॥ ज स्य
स्य प्रा मा जो ला या को म नु ष्य दे र्थां द त स्क रा च न ता म हु द ॥ स्य प्रा मा लु र्थे र्थ
इ मा दे र्थां दः त स्क न रोग व्या धि न हु द ॥ उ व ड रा हो ता व त गु धि हो ता ॥ स्य प्रा मा जो
त ला उ का वि न् व सि मा लु का या मा रा धि वि र र्थां द त स्क न हु तो मा रो मि ता ॥ ॥
स्य प्रा मा जो सा प दे र्थां दः च न ला म हु ला स नृ सा र मा ना उ च ह ॥ ज स्य स्य प्रा मा उ ज
त दे र्थां दः सि म द्या को

अस्मीनक्षत्राया ॥ ॥ सलवाक्षानः देवजातः सलस्सतोः देवजात
 दितालः मूढः ३०० वैरागसंसधानः ब्रह्मादीदेवतागंधर्वदेव
 ताः ग्रहराक्षदेवताः असुरायनयुवः आसुरत्वालज्यफलः म
 क्रुनक्षत्रः अंगार्यः मेषरासः थोतेवेलासः जातज्यम
 यातोः तेनदयूः थाननायेकज्यः लोभालाकः प्रीप
 रसनः द्रवेथलः भातुबंधनासः बहस्वकः वनतरीको
 रफलः सामसयूः वालकसंदरबीः लीथेः २ः सुखीः प्र
 लादीकः विदेससंसृषीः मेलेसूषीः कलवत ॥ राजसेवक
 उद्देमशदिः वनीजालकरमः ॥ न्यापूमी भोगीचेतमभीः
 लापूयुगामवः ॥ लोभेमहीकः पारीस्याकदयूः गुरुनीश
 यायूः संव्रप्रीतीः ॥ सबकांजभारभनासः वेतयायघी
 वतः माधोथलरेकः ॥ दातधर्मकः रात्रीसंगपूवम
 रे ॥ वृदीक्षमारूपः ॥ वेतग्यामायूः ॥ देताकसहयायम

कूटधनवदलगाडा पुरक्षा कर्मसरसः ॥ मः पः कलातनठा
गजयूवपरीबालयक्रदयूः ॥ कुतीखभावाः ॥ हुलीगा ॥ ॥ तील
कठानः ॥ मीषासंजलसः ॥ प्रातसंगलपुनसः ॥ जसः ॥ धुनेसं
नीलदयूववनः ॥ धनलक्ष्मिनीवपरीषातानः ॥ लोम
धकः ॥ मेसालाधकः ॥ नानासपनाः ॥ धृतीमजयाषः ॥ भा
हातासमस्तप्रवः ॥ ध्यारोगयाः ॥ धातूवातपीतः ॥ फस

रोगजोनः ॥ कधूः ॥ पालीस्पाकभृतीसारपेतनोगः ॥ अका
लमृत्तदंष्टः ॥ भृतीसरनोग ॥ ६० ॥ वेसपः ॥ कधूः
६० ॥ १२ ॥ कोनपूयूः ॥ स्पाकसीकः ॥ ६१ ॥ रकभृतिसारभ
येः ॥ ६२ ॥ ५ ॥ सीमाः स्वातानेनः ॥ चोधीनकुतीनवंमयः ॥
पुनयूभयः ॥ तालसभयः ॥ ६३ ॥ जोरभसारभयः ॥ ६४ ॥ मी
सायानीमीनीधइषजयूव ॥ ६५ ॥ पेतसेजयूव ॥ ६५ ॥ लामे

नरिसः नलसः धर्तिल चमि दयुवः नानाप्रकारनः मनेगलेप्रा
सबनरीव भाहारावीतनाला जपालुषा युवपा ७ थ से सा जाधली
॥ ५५ : याकुः धर्तिलनयपु वः थया भकालः मृतः गुरुः गुलाः
गुदः काधरीपेलया भयदुः ६१५ः कोनपुपुष्या तस्या युभय
६१२ः कौराधपया भः खुया भयः ६२०ः प्यनमो जयु
३ः धर्तिलनपका लम के यातः धर्मधातु प्रजायावकेः सी
वीरिगपुष्यायावकेः हो मद्येयकेः लरिदयकः वलीकीयुकेः

धर्तिलनप्रमा युः ७७७ मान्या कृयला लोक या धने प्यान
क्षत्रेः गुदवारः बाहसे मृत्तु जयुवः सुभ ७७७ कृती कान
क्षत्रनामजातकयाः मजीनकुं दवाहानः राक्षसजातः द्वागरस
तोः लमनकल्पातः अंगारनसी दीः गुदन मृत वृद्धपतीनं सुक्र
नं कल्पा ७७७ नः वीरिलनपु रुवः मदेस्वदेवताः मजीनदेव
ताः वेस्वपनीगवतः कर्मा मधी मेमे धासेः नृपुष्यलजय
३ः

पुत्रवदुवालाः कलीगधवाः पुंजारक्षत्रः सुक्रक्षत्रः कषत्रः
मेखरासपादः ११ः वृषरासपादः १२ः अतेवेलासौजातजन्म
वातः तेन सुत्रजातः प्राखनसयुवः प्रीषदससनइसर
भागीः लोकप्रितीः पुत्रलाभः ५ दुमगुदीः सतेवाप्रीक
नयकुलः बहुमीनधर्मस्तः राजसेवकः देवयाकेनीतापायु
वः केलोतमः २ः सगनामससुरववनभयेकरजुपुवः प्र
सासंबः देवः ब्रह्मनाभरेक्षः आगीथीगुम्पुजानः

सीरवतः ग्पातवतः वलवतः जसवतः धुतक्रोधाउ
कुचीतः श्रीप्रकोधाः बहुमीनः धीरववनः पीडुनसु
पतीः मेखरासनीजवातवलपुर्इवः कातुककछास
वः नसाकावसासतवलपुर्इवः देलसप्रीयः पेत्पा
कसहपायमप्रवसुरमनः कनुनामनः धीरवाकेः दु
रीखभावः ५ः तलिकवीनयाखकनेः जलसः कपालसः
नेतासः ७ जेसः सासर्शः पादेसः दुतीती ५ सु

मनीवः अग्नीजाता खरा धकः देवता मना धकं भोजन या
धकः शुभाकः पुत्रुलीः कीसीः सलः खीचाः देश संकु
लुन नुपा धकः देव देकाः पुजा पाश धकं मनीव कुती
प्रासाप वीतनाः सारैः भोजनः जाः ५५ः धलीः घेलः
कष्टीः अशुति आताप प्रवः सकाल मृतः रोग वीतना
कोन पुवः प्रसार मोल स्याकः ६१ः अती सारः ६८ः ना
ना धा धी सा मे सन चो प्रव भयेः १५ः कोन पु पुवः ६९८ः

मोल स्याकः पु पुव भयेः साक्षा धी खर स्याक न यर.
प्रासाप लषः ६२ः धु पा भ यन ६ पुवः मृत षः ६३ः
मी खा स्याक का स स्वा स्रुषः ६५ः अती सार भ य करो
म मृत पु य ष ६५८ः आ पुनः अत्यप का ल म माल के
प्रात नी धा नूपा यः य म पायः पुं शु जा ल्या यः सा मु दा
न या प लु १ न वी य क स व लु दा न नी य ध मि धा न पु मा पा या

उदु न को या व अद्वैत ब्या वक्षसो मसं दुयः ॥ उदु न पंच रक्षा
पाठ्या च के ॥ माता ॥ सा ह मल से सा मधे थनी उपा या ॥
धुन डा व को यला थ क न व मी रो ही नी न क्षत्र उ द क्कार
कुरु मृग हीन ॥ ह स वा म व न ले म न सु य म दु य व थ
भी न कृ ती क न क्षत्र या स मा प न ह ॥ रो हि नी न क्षे त्र ना म
जा त क या ॥ सी यु न ता वा ता न म न थो जा त ॥ सा हा स से भा
दी न न सी वी भी ने ॥ स्व म ॥ गु ने क ल्पा त ॥ स नी च र न क ल्पी
न ॥ अं गा र न शृ नु न पु न ॥ बु द भी ॥ वृ ह पा ती न मृ त ॥
पं व ता न ॥ प्र जा प्र ती दे व ता ॥ छो ते ॥ गु ले न ॥ छे न्ने ले न
जा त गु व म्वा ॥ सा सु खा ल ॥ सी पु ष्पा ल गु य क ॥ पु र्व पु ष्पा
ल ये ॥ सु क्र य त ॥ प दी गु न ॥ वृ ष टा सी पा र्श व त ॥ थ ने
वे ला सं जा त गु व म्वा त ॥ वृ न म क ॥ त म का री गु पु न ॥ भा
ख ल स पु न ॥ ग्वा डा गु ॥ स ते व थ न ॥ स्व य तु य म्वा पु ॥ त व ध री क
गु पु व थ ज्वा न ल ॥ भा गी र त्र भा गी ॥ धी ल वा के ॥ मी व
य क ॥ पु न ॥ का प म वा य क ॥ पु न ॥ ४ ॥ क ला न ॥ पु न

मेव व प्रीति गुरुः सा मे स न भागीः क्रा गुरु क क ठा हा सो
मेहा ले पी ठा य स वः त व ल य ग गुरुः न ये प वः ध म या प्र
म नः दे व ले रः भा ति धीः मा भ व वः गुरुः ब्रा ह्म नः दु ती स
केः भ की गुरु धे मा व तः को म लः न स ये तः दा ता हा हा
गु स गुरुः व ल व तः स्व भा व यु ती द गुरुः ती ल क था नः ग
ल म त सः ख ल सः दे दे सः गु ग ल सः दे व ने सः गु ज्य स
थ ती ठा य स ती ल ची न द गुरुः म नी व म ज्जा प्रा ङ ध

कैः व न नः ^{को} स जो या ध कः ही ती स लः व लः यु ती स
व नी वः ठ व दे स ध न मो युः क न्पा रा भः क ल त ला भ
दे सः क ल त या केः लू याः व ल न ध न भा गीः य ते स प्र
अ म नी वः भा स राः जा ङ ल क षीः थ ती न य प व री
ग धा तुः जो रो या धीः क स न ५५ः क नु स्या क ङ या त स्या
कः भ का ल म ५५ः १ः ५ १ ला १ः क म द पु व पे न स्या क धु
न ङा पु व भ का ल म ५५ ५२ः ला २ः ५२ः स ग्रा म भ म

६२८॥ सगा प्रसस्रुक्ता रनं मृगुषंः पञ्चमीवन
बोधीनकोलीनी वं भयः सुसया भयेः ६३ः भका लमृग
लुनधनलुपुत्रभयः पुतीनं मृगुमजलसाः ६४ः ॥ ८॥
म्राजवः थीनलायाः पुनुवन वत्र भंगारनारः छक्रुसी
श्रीनः श्रीनं सीपुत्रः थका उपापनेही पुजा पाप
गुरुवसतदानवीयेः उदुलपनं वैत्र पुजा पापेवाहाल
पुजा पापः तनपुनेमापः होमर्कम प्रावकः गा

ममाः उजा लवलीनी यकेकुमारी पुजा पापः थ
तीनः रोहीन वेत्र समापनः ६५ः मृगसीरिनदेतना
मजातकपाः चलावाहानः देवजातः नागसस्तोः सुक्र
गारनं सीधी ६६ः वंद्रमाभिः मृगुषंः सावं मुसकताप
वः ईसीग्रः ईद्रदेवताः मृगापनी गोत्रः मीथुनरासी
पादः २ मासः ॥ ६७ः ॥ ६८ः ॥ ६९ः ॥ ७०ः ॥ ७१ः ॥ ७२ः ॥ ७३ः ॥ ७४ः ॥ ७५ः ॥ ७६ः ॥ ७७ः ॥ ७८ः ॥ ७९ः ॥ ८०ः ॥ ८१ः ॥ ८२ः ॥ ८३ः ॥ ८४ः ॥ ८५ः ॥ ८६ः ॥ ८७ः ॥ ८८ः ॥ ८९ः ॥ ९०ः ॥ ९१ः ॥ ९२ः ॥ ९३ः ॥ ९४ः ॥ ९५ः ॥ ९६ः ॥ ९७ः ॥ ९८ः ॥ ९९ः ॥ १००ः ॥

सिरवतः तेजवतः धर्मसल्लयः वनीजालकरसः मेहाले
रिवंछायेः तत्रलपुत्रुः समुसत्रः धनभाभिः प्रीय
दशनः सलेववनः ग्यानः स्वभागीः जसवतः प्रसादी
कः मेवजोवेहापुत्रः मीवाताहापुत्रः पासायकोदपुत्र
आयस्रमः कायगामदपुत्र भवेलसंवादीः उमस्वपरम
५ः स्वभावदपुत्र वपदेवपुजासंभगतीः धर्मकीजेजोगी
नीयसतत्रज्ञानलपुत्रुः देवजनकरनाचोत्रः धीतत्र

तवीरवतः धुनीस्वभावदोः तीलकजनः गलपतसः क
पालसंगुतीसः जघलीवनसंलाहातसंपादेः धुनीस्वभा
गतलदरिः उवेमोपुत्रः आयासकनकयफुत्र
मिस्तास्वभावनापुत्रः लषसंभेतेपुत्रः तपसीवागुयफुत्रग्याग
पुस्वभावगुदीवतः ग्यानीस्वसवपंद्रीतसंगुसपुत्रः तमका
रिगुपुत्रः तमसिरेलः धुनीतोशुपुः आहायः ५५ः धलीघेलजा
आभागः मयेवमुत्रुः धुनीआहाययासः सवनयरीष्याप्रव
तगुयाथ्येः वनानसंगुप्राथोकीसीसलः वनजमोती

श्री गणेशाय नमः ॥ वीरनेश्वरानी स्वर्गपापनेत्र
 सनवीरुहदेवसर्वसांतीनमावेहं ॥ श्रीनंदीकेसरिका
 भोसनंतकुमारजीननुलतवधन्यावचोगुं श्रीगनेसयाव्रतक
 कनेतेनादीननुलसांप्रकचीतयागवडेवधकाव ॥ आग्यादयक
 लठनसनंतकुमारननुलसां ॥ हाथजोनलपाववीनतीयातः भो
 श्रीनंदीकेसरिकावधदे ॥ गीभागेनं आमथीगुकथाहागो
 वेलसेनेनेमनसाग्नेदइवधकंभालपावगुप्राआवहलवो
 लसांकुपानंनेदतधकः वीनतीयातः यतसनंतकुमारनंनु
 लसांप्रकचीतअयावः हातजोगलपाववीनंदीकेसरिकाभुव
 दसंनपाडाववीज्यातः यतः नंदीकेसरांतआग्यादयकसे
 वीज्यातः भोसनंतकुमारद्विजवधनलयोगेस्त्रिदिनंसीधीलापु
 र्वाद्वाद्दतसादिनभोवर्तसदाकापावभोसनंतकुमारः भोवर्तगु
 गुपायधालसाभादसुक्याचौडीगुगलपानंः यव्रतमायगु
 गुलपुहवनंतवस्त्रीजातीनंतववीवीधीवीधानंठेपातलासक

ल आपदा कलषं फलवदको वी घना सगुर्वह नवन सगुलसां
राजकुल सगुल सांसी धीला इव धकं यथै गु व्रत नदको व्रतया
सी नान्न धा इव त धकं श्री गने जया अती प्रै सगुर्वह धकं थो व्रत प्रमाना प्राणा
वसं कष्टना सगुल धकं तंदी के स्वर न सन कुमा ज्ञात क न ठो प ड ना व स न कु मा
नवीत तीया तः मो नंदी के स्वर धी गु व्रत पुर्व काल संपृथी मंदल सै थो व्रत सुना
नै व्याख्यान पात धकं थो स्मृते जीत क से वी ज्ञाप मा ल धकं वी त ती पा ड व नी दी
के स्वर न आशा दय कल ॥ नंदी के स्वर उवाच ॥ मो न न कु मा र ड व्रता वी या कल सै
व सु देव या का य वा सु दे व न थो व्रत या त धान धल सा हो मी त क श्री श्री कृष्ण नव
ता सु दु सी या म ड थो म न डी श्री कृष्ण न काल धकं बाल या क या नी मी ती न ठो
व्रत या त धकं आशा दय क गुर्वह ना व स न कु मा न नंदी के स्वर या के वी न ती
या ड व धालः मो श्री नंदी के स्वर भुक्त श्री कृष्ण गुर्वह व क ले स्वप्न नै
गुक्त गुर्वह श्री धी धी सै ह या क ती गु या व थो न म थ डी इत्त श्री कृष्ण
या त ग थो पाल पात थो जा व रा प्र सा मे गु व दल पो ल ले न आ ग्या द व कल

भो लज्जामि^{नम} ज्ञाती मैने दगुलः यो ज दल दोल से न जित नहि न कं न से नी ज्ञा स माल द
नै की नती घात थन की के सर न ज्ञा सा द य केली भो स न त कृपार ले व ज ये
धाल सा हा पा यो प्र थी की स न व भारा गु या व हो पा रा को हा प नी प्रीति
नः हा म रु ह म धा प का व रु व ता का से की ज्ञातः भो स न त कृपार यो
म श्री कृ भ ग हा स या भ य न ग्ग ना व स मु द या द यु स वी स व क मान
अ ने ग सु र्व वि वी त या श व दारी का ध र्द नाम दु ना व दे स द गृ प्रि द य

का व वी लैः थ देश स ही भारु दोल स घी का ने रु को ती जा द न
न पो आ दी श्री कृ भ या आ सा स वो न प नी अ स र्वे न स ही त या श व
श्री कृ भ ग ल सा दारी का स स व मा न द न वी ज्ञातः थ दारी का स
मु द र भी श व चो न प नी अ ने ग व स ल पा व चो न सु रु धाल सा
उ गृ से न रा जा स त्रा जी त रा जा प्र से न ने स फु की ज व स ल पा व चो न
भो स न त कृपार इ व दू या दी त स श त्रा जी त रा ज न ज ल सा स मु द

म मुद्रया तीर सवना व श्री मुजे या के साहा कस्त नंत वस्त्रा माना व चीनं
 भठे त पस्त्रा पाया अनंग का त त काल वै सेली यो या त पस्त्रा त श्री मुजे सित
 म्गु या व श्री मुजे अनये न कल वी ज्पा तं थ न प्रत क्ष गु या व सत्रा जीत राजा न गुल
 सांसत जो जल पा व श्री मुजे या के तो त्र या तं भो श्री मुजे दल पोल गठी इ म् धाल
 सा वी ख मुनि गु या व वी ज्पा कस्त दल पोल वस्त्रा वी भु रु द्वा य का कवी ज्पा क
 अ दल पोल क से प या का प धा य का वी वि ज्पा कस्त दल पोल वे दे वे गुली या
 म्गु ती गु या व वी ज्पा कस्त दल पोल पा प पु ने या सा दि गु या व वी ज्पा कस्त
 दल पोल स्त्री सती ठी टी सहा कर्ता चा पाल दल पोल ससा र्त्त कर्ता ध
 या स दू पोल ठ थी इ म् दल पो त भो श्री मुजे जीन दल पोल या पु अ मु
 ती या य फ इ व जी उ व र्त्त सु द्वि प्त या व र्त्त या ना व वी ज्पा य माल या
 पा उप तं भ र्त्त क नी कति न म स्कार ध क वी न ती या ना व यो अस्तु ती न श्री मु
 जे स गु प्त गु या व श्री मुजे न गुल सा म धु र व न न न आ का द य का व वी ज्पा त
 जो स त्रा जीत त गा द न त प स्त्रा न स्तु ती न जी प्र ती स तं गु स गु य धु न द न द
 पां द न त प स्त्रा या ना उ गुली व ल फो व ध क आ का द य का व स त्रा जीत

दल
 या

राजा न गुल सांहात जो जल पाव वी न तीया त भो श्री सुर्गे दल बोल सेत
जीत वल प्रस न गुय गुल सा से मंत कम नी प्र स न गु से वी जपाय मा
हं ध की वी त तीया त थु ड ना व भक्त व र्स ल श्री सुर्गे न गुल सा थ व गु गु
ल पोत स चो न गु से मंत कम नी तो या व स रा जीत त जा या त वी या व आ जो
दय का व वी जपा त भो स रा जीत राजा थो म नी या प्र भा ग थ री ड ध ल सा
दि न स त दी कु म नी हा या व व इ व असु ची अ प पी व न धा र ना या त सा ना
स गु इ व ध क थो ते व ल प्र सा द वी या व श्री स र्गे गुल सां अंत ध्यान गु या व नी
जपा त ध की भो स न त कु मा ध की न दी के सार न आ शा दय का व वी जपा ती
थ न नी स रा जीत राजा न गुल सां ठो म नी ला ना व अ ती ह र्व ज्ञान या ना व
भो म नी न को षा या व दा री का दे स व न थो म नी या ते ज न स रा जीत राजा गु
ल सां श्री सु र्गे या थें ते ज व य का व दा री का दे स पा द थु स थें ना व लोक स म
ह से न मो षा क ने म फ य व श्री सु र्गे व ल नु भा ल पा व श्री कृ ष्ण क म नी
लो री न ध या न दि स हि ता व बो न था स व ना व वी न ती या त भो स रा मी श्री
रु भ दल पो ल या दा री का दे स श श्री सु र्गे नी जपा त जी प नी से त मो षा क

ना श्वयं सकल धर्माणि न तीर्था^{ना} य न श्री कृष्ण लज्जल सा मनसवी
तल पाव आका दय काव वी ज्पातं भो लोक आ म श्री सु जे म षु आम जु
ल सुं स त्रा जी त रा जा थ का ग ये धाल सा आ म स त्रा जी त रा न श्री सु जे पा
के से मंत क म नी वल प्र सा द ला डा वृ द ल थो म नी या प्र भा व न थु का जा
जो ले भा न त जे गु य का व थ न व ल ध क लो क स म स वो ध या डा वृ ल दि
से ह ल थ न श्री कृष्ण न जल सा मंगल नो धान नं ना ना वा दे भा त का व
जा त्रा या डा व ल स ल वी ज्पा तं स त्रा जी त रा जा थ व गृ हे स न वी ज्पा त का व
भी ज्व स र्वो स त या म नी जल सा प नी त्र या य स त या थ त लीः स त्रा वी
त रा जा न जल सां से मंत क म नी या प्र भा व ण क ना भो श्री कृष्ण थो म
नी या प्र भा व ग ये धाल सा दी न प ती स त दी कृ म नी हा श्व क र्द व थो
म नी यो ज्वा स ड भु दे गु य म ड व ज्पा त रोग ना धी पा भ य म ड ना ना
वि दाना स या कः थ डी गु षे म नी भो श्री कृष्ण अ सु व ल नं धा र ना या त
सा ना स जु इ व अ ती त मी या डा पु जा या य माल द क स म षु वी ता त क

नाव श्रीरुमन गुलसा मनीया प्रभाव ड ना व थो मनी जीनं गये को
यधकं भालयाय सत्रा जीतराजा उग्रसेन राजा या था सचो ना व युन
भी थीं रुसल प्रसूया जौन वेल स श्रीरुमन मधुर वचन आ जा दया
कलं भो सत्रा जीतराजा आ म मनी उग्रसेन या त वी व ध कं धया व थ
ये धया त म ता व ये ने न का व म वी व हू हां युन श्रीरुमन गुलसा म
नी काय नी मृति न नाना प्रकार न वो धया ता व धाल सत्रा जीतराजा न
हुं प्रकाशाना त म वी व थ थ नु पे पो ल ड पो ल धाले श्रीरुमन म भी

पुता ड व सत्रा जीतराजा न गुलसां ठो मनी भव सेन का य पुधक
भाल या व उग्रसेन राजा या के वे दा क या व ठ व था य स व ना व मा हा
अं डोल या ना व धं दा का से चो न थो मनी ज ये या ता त ल व स ये ध क
चो न भो स न कु मार थ न ली ध नु या दी न स ठ व की जा अ ती म से ना व थो
न प्र से न न गुलसां ठ व दा गुलसा जीतराजा या डू व ने वी न ती या तः भो
सत्रा जी से मी त रु मनी न जीन को वा य ही व ध कं धया व ठ व की जा या

वचनने नाव भव के चो नग से मीत कमनी न को लाय कागलः बहु
यादी न सस्यना न सदीत या डव व अती हर्ष मातन थु मनी न कषा
मात्र अहल वन सरी सभु सु नी गु द्या व व नाँ ता र सी सी ह ना प ला
नाव सी ह न डं गु ल साँ थो म नीष ड व प्र से न मो च का व यो म नी का या
व ठ म न को धा स व न ठ न द गु ली व न स भ ह गु क र ना वे जाँ वो वा
न न ठो सी ह या गृ वा स चो न म नीष ड व र गाँ वो वा न न गु ल साँ सी ह मे
व का व म नी का से य ना व ठ र पु त्र सु क मा ए सी त के घ न सी ते धु न का
व सु क मा ल सी मे चो न धा इ न का से त र्द व दिन प्र ती थ ठे चो न भो स
ह क मा ध क न नदी के छन कं ना स थो न ली स ह क मा न गु ल साँ ड
नाव चो न ठ न स त्रा जी त रा जा न थ व की जा प्र से न ली ह्वा म व र्ध या न
मा
व ह्वा चि क यो न व की चा ल या ड व द्वा लः भो लोक संध्या काल गु
ल आव त ले जी की जाली ह्वा म न ती ड व से न श्री कृ भ न से म स क म
नी का ष नी पू ती न जी की जा मो च क ल ध क थो म नी भ मे ग प्र की

तं जी के को पात स न जी न म वी या आव नी सु प त क भ त को ल ध क
पाल या ना व त ल थो व दे स स उ त पा त गु या व श्री क भ न गु ल स थि
स त अ प मा न ष ^{त ध} क भाल पा व चो न वेल स श्री क भ न थो म न री
वी चा र या त व ने ध क भ्रा ता व ल न व द भ्रा दिस म वृ जा द व ग न
स ही त या ना व प्र से न व न गु व न स वी ज्ञा ना व स्व ल गु ल थो वेल स
प्र से न प्रा स ल या र घा व ष ना व थ व थो व ली स पं वी ज्ञा ना व स्व याने
जा स ल प्र से न नी ह्न सी ना व चो न ष ना व थ व स्व या व प्र से न या स स
ठो से भ त क म नि दु म दु स्व या व चो न वेल स सी ह्न पा पाली ष्ठा च व ना
व थो सी ह्न न मो य का व म नी पु न ध क भाल पा व सी द द पा पाली ष्ठा व ली
से व ना व ह्न व या न डी सी ह्न सी ना व चो न ष ना व सी ह्न सी ना व चो न स्व या
व चो न वेल स भ ह्न क त गा जी वो नान या र व च व ना व ठो स्व या न
जी को वान न ये न ध क भाल पा व थ व थो व ली स व ना व स्व या न थ

ष्या चउहासउहा वनावनो नवनैः थो ल्ययाव श्रीकृष्णनगुलसोअ
ग्गदयकलंभो भ्राजावलवहद्रज उवसैसमल्लोक हपनीसमष्टथो
हासचोनावचोवजीपेकांर थोपालनंउहावनानस्वलवनेभोजाद
वलोकहपनीहैहुचाहुतथोथासचोवआसचयमतेथोनजीउनाससी
तधकंभालपावलीहाहुनीधकंधयाप्रथमयकांतगुकथवालगदु
हावनैथवनलीथजांम्वनातगृहेसंदारसंथनानस्वयानैसंमंतकमनी
जांवोवानयाकायसुक्रा^{मा}मीतकावतलखनंभोसर्वकमाथनलीश्री
कृष्णतनंगुलसास्वयावचोर्थथेचोनकृष्णसुकुमारनषनाप्रष्यया
वनीसेवनंथळेवीसेवनगुधात्रुनंवनानवीसवदनंहालाप्रथोम
लजांवोवाननतायाववांघांप्रमावश्रीकृष्णवजांवोवानप्रमाहाकलोह
ननेघुदयातंप्रसंपदप्राहा^{रा}याशेवदंदुदुदयातंहानंअनेगप्रकारनं
पुदघा^{ता}तंजयेवालसाष्टथीवीनापंकपमानगुयकंघुदगुयान
पृठिनापंकुतुचुयकंठीरनंचोनेमकंपाकंथथीहागुपुदयातंना
नापाषाणप्रोक्षयानावयुदहनप्रंसयुदमुकीनंमुकीप्राहारया

पुदथुगुप्रकादनदिनपत्रीसीधमदुयकलोनाकप्रक्रिययाधलनेलाव
नठठेपुदगुगुकीमनीहुदवावजा^{होवा}नुसमससेनश्रीक्रमनीसचयने
सितधकभालपावदाटीकादेसलीदावनेहुदेवकीप्रभीतीनतायावस
कपातनसूरीजनसमससेनश्रीक्रमयागुननुमनावनानाप्रका^ननी
लापपात^हसत्रीजीततजापातस्रापवीयावनी^{दा}याती^हमोकपातःठये
सकपातावधीनवेलसगोपीनीदससेनधात^{भो}सजीवनीम्रीक्रमजुई
वसीधमदुमवलजुकनेलावचोनजुइवथतेनश्रीक्रमयातवलदफकोम
हुजीसेनइसरीजगदीदगीदेवीयाकेसेवाधुजावनेनुयोधकसाहुती
लमसगोपीनीजादवजनसमेतदुगीदेवीकेवृदसउपकारनपुजायोत
वईनावपातःभोइसरीदुगीदेवीहलपोससेनश्रीक्रमयातमंगल
प्रभालवलवृष्टीयायमाधकप्रार्थनामानावदुगीदेवीजुलसा
प्रतदेगुयावतडीसुधकवलप्रसादवीपावअंतध्यानगुयाववीजपाक
गुलथनलीक्रमपागुलसांदापायादुगीहीवलवृष्टीगुवजावोवानया
मुष्टीकपातायातठोप्रासेहलवेमफयावजावोवानयासरैलनर
जतधाताहायकावतेजहीनगुयाववनथथकोनजावोवासवयावश्री
क्रमनगुलसांक्रोधगुयावठवतेजनजावोवानयातन्वातकावअपीस
गोदातुयकहोयावतेलावतलठठेमाहावीजीवोवाननफतापुयकेम
मयुपावभालपागठिनवीरप्राकर्मिडोमनुषेजाप्रपुथगुलसां^{हु}हु
नीपातधकचीतलवावनीनतीभाषानइनापयानावभोपर्मसरइल
पोलजीनसीधधुनथोसंसायाप्रातीगुयाववीजपाकजदधपोलईस

रनायनधयाभदलपोलसृष्टयाष्टीसंसारकर्तानंदलपोलपुर्वका
मसलमभवतावेलासगीत्यामीलपोलदलपोलयासेवकगीधकं
हेप्राभुठाकदिलपोलयागुनवनीतुनानुहायफइवधकंठयेनाना
प्रकारनवीनिलानाअनेजप्रकारनरोवनमोवकलधकंराप्रभवता
प्रापलमष्टइनापयानावसुतीयातथोतेजांवावनायासुतीनेगानुष्टी
कभनगुलसांसंगुष्टगुयाप्रभुमीसंवीज्यानावहापायासेवकुलमना
वजांमोवानयाकपालसठवलातनपीतुपीयावहाजादयकुलभोमातान
देगीसेवकवधकंप्रागादयकावठयेश्रीकभयालाहाननपुटिपुटियायानी
मतीनजांमवानयानेठासमष्टलायावहापायासीनवलतेजगीदुउपोदया
ववलाठलेथवसरीसवेठासदयावमाहादर्षमाननश्रीकभनप्रस्करया

यानावनीनतीयातभोश्रीकभदलपोहनदुपाकाएनवीज्यानागीनगु
लसांदयापमालदुयानानगीधायंइवधकंवीनतीयानावश्रीकभनगुलसा
आशादयकुलभोजांमवानगीवयाकाजेसेवतामष्टसेमंतकमनीकोलध
कपालयाकयातीर्मतीनवयाधकंआशादयकुलःथनलीजांमवाननगुलसांथ
वह्यावजांमवतीसहीतनसेमंतकमनीनकोषायकावमगीकंमोहिवनेन
याववीनतीयातभोश्रीकभभगीत्यावमनीकासेवीज्याहुतिधकंवीनती
यानावथवगुहेसंसुवनचोनगुलभोसतकुमाहतलीश्रीकभनगुल
सांजाम्वनावावधुधनवुनावसेमंतकमनीकंशसहीतनठसदहावमहा
हर्षमातनठवदेसद्वारीकासंवीज्यानावगुगुसेनरागायासभासंवीज्याना
वसत्रागीतरागावोनावआशादयकुलभोसत्रागीतरागाइनगीतनी

स्किानसप्रसेनमो न कावसेमंतकमनीकालधर्कपालयाकयानी
नरतीनं जीनमालवुना वलुयका वलुयधुनधर्क हा पाया लंस्मसा
कडावमनी गुलसा सिना जीता जाया तलवु वलुय नाव वीयधुनका
आज्ञादयकल मोसत्रा जीता जाय गुलीकैष दन जीत वीर मय
जये धालसा भाद्र सुक्रया यउथी वु नु जीन वं इमाय नासा नीमती
नयो ते कंलख जीत वलधर्क नता प्रकार नवो धया नाव केला वीया व
दे दोन मोसनर कमारु नली सत्रा जीता जा न गुलसां यव देव

नवमाहा नीया नुनं वीताया नाव नोन; दन धालसा श्रीकृष्ण
या तथमन अवेत धम ल्दा ग क्रुवा व गठे या य व ल्पोल सेन जीत फ
के फ व धर्क मन सत्रा स वा या न माल पा य श्रीकृष्ण गुरव अती लो भरी
थोन हो से मंतकमनी गठे नका इव धा सेली: थोते न स वु सेहन द्या य
वियमी व सेहन वीय धर्क वी तल पाव: य व पुते हीत वी डा व भी गु
दिन स्वतका श्रीकृष्ण या तथ व ल्पा य सते भा मा कं ग दान वी य धा
अनेग अल काल ना नीय का व मनी मनी क ही रा न को लय कल

जरीज नकषा वसत नंगुन क व श्रीरुम यात वई डा पुन वीलः को
सते भासा जयेठ धालसा अंती सुं दरी ह प्र गु मननं को वसमा
नवी भवनं से डल वि थ डी गुसते भासा गुलसा श्रीरुम मन वीका
नसा मेक या व मन से अनं दया गु से मंत क प्र नी सत्रा जीत
व जायात वीयाः जा द व ग न स म स से ली त का व वी ज्या क गुलः थन
ली सत्रा जीत त गान गुल सां श्रीरुम वि जील ला डा पु स क सक
लेत या वः मन स भानं दया डा व चोन ध क नं दी के सो न सं न त क
हो पया

माया हे आम्हा दय कल ॥ ॥ भो सत्रु मा ड व थ न ली द्रुया दीन
मः कली ना श्री सं जं गु गुल दा ह गुया व चोन गुः पां च पां द व सी त ध
क धा व गु ना त ड ना वः रुम नं गुल सां थ म सी से नं लोक प्रतीत या
पनी नीती नः उज्यो धन स के वी चाल या य ध क व ल व ह द स सीत
नं वी ज्या ता व नी स से नं सा प्र पां द व २ ध क व मा वः गी का प्रो न
रु व वी डा धु मा रा स क गां धा री आ दि ध मा व चोन था स थ
थी वी ध या डा व वी चाल या ना वः थ व नी नी कु गु प्रा ठा प ना ना

प्रकाशबोधयाज्ञः पीला जला अनरी ज्ञानावबोधनः मोक्ष
मकुमाहनलीद्वारीकासिगुलसां श्रीरुभमदुधकं भालमाक्ष
मधुन अकिरकतकला यथी गुर्वेलसथकासिगुमायकेधक
जथे धालसासत्राजीनरागानसते भासाहीजीरुमगुसश्री-
रुभयातकीरुभते श्रीरुभमदुधोतेनंदीजीसेनसत्रा
जीतएजास्यानावः सेमंतकमनीकायनयोधक अकिरकत
प्रभा नीतिसेनभासथेगुलसांः जीपनीनीनददददेगुयध

कंधयावसतदगुनगुलसातवसवनीवस्रीजनसहते
लंबयेकंशोउहासत्राजीतएजास्यामस्तकध्वनावास्या
तः यथेमेयकेधुतकोमनीसमसजुवथवदेवया
वचोनंथोनलीसुएजीतएजास्याकलागुलसांहीलन
चायकोकस्तकवेलासंकुस्वामीयाहेलध्वनवयनध्वनं
नीलाकारनक्षयावचोनतातसते भासानतायावथकमा
नयाथासंवनावननाप्रकाशबोधयाज्ञः वरुधवगुयाध

रीरदा गेल ची कं न सखी ना ब न या व पीता मो व क या लो क तं को
ध उ प त री जु या ठ म न श्री कृष्ण क ठा स वी जु या ना व य व स्या
श्री कृष्ण ~~म न~~ या ल न स भो क पु या व दा प्र पी ता २ ध क
व्या व ची नः भ ठे ची न स ते भा मा श्र या व श्री कृष्ण न जु ल सां आ ग्या
द य क लः भो स ते भा मा आ म सो क द्य या ना ध क ने ना व स ते मा नु
गु ल सां मी षा स ष्य भी त या व ठ व पी ता मो व क गु ख स म ष्टी ना व
या तः य न प्रि ~~म न~~ गु ल सां स ते भा मा या त वो ध या ना व ध ता रा ष

क या था स वी ज्या ना व वे दा क या व श्री कृष्ण व ल व द्र नी ष वारी का
दे स स ली दा व या व स म धा र या त भो भ्रा ता व ल व द्र आ व दी जी नी
अ ते नं पा पी षु स त ध नु मो व के न यो यो मो च का व से म त क स नी
दि जी षु व दि दी का ध नु यो ध कं सा ह ती या ना व ची न वा त स त ध नु
मि या व ध वा त मो व की न ध कं भा ल पा व रु त व द्र मा या था स व ना व
सा ह ती या तः भो कृ त व द्र मा हा वा दि नं अ ग वि ना र या ना गु ष ग थ
या प सा ष श्री कृ नं स ग्रा जी ता रा जा मो च क ल ध क ली ल जी स्या य या

तसा ५ तरेया आवदि जीगुन नवीस्पवने नुयो धकं धयावक्र
तव्रजन धाल भोसत धनुं रुमवलवक्रुं गुरुवदि जीसयां थाक
रठठीं डमव सुनान वौरी भावया इव जरा संन धयास कंस थरी
नम वौरी भावया य धकं सगान थम सी यमाल थोते नं जरीन जावै
रीयाय म दाला धकं धयाव अनं अक रया था स व नाव धालः भोअ
रु रूसा पाधि नं अ गी का रया नान सत्रा गीत मो वका अव जी मो वकी

श्रिक्र भन भो ते नादि जीस सगनि वीसे वड नुयो धकं धयाव अक
नं धालः भोसत धनुं रुदि मुष वमने श्रीरुम ववत वस द्रव सुना
न वौरी पाइ व गये धाल सा ठो म श्रीरुम न गो व धनि पारवत
म सुरुं यो नुत ठ वला कान नूं सो ना व द्रव तपा थै त या वात लठ
थीं डम जावै रयाय म दाला धकं धयाव अनं सत धनुं नं गु
ल सा अक रया के नी स्वासनं से प्रंतक मनी सी सी ता पुा व थ म य

कांतन छुडि सल ग या वः हीदि न संतदि जो जन भु मी थी त
दे सय उप व न संथ ना व स ल या प्या पा क व्या स चा व जु ली न
पि दा गु या व जु डी सल सीतं थ न ली सत धनु थ म य कां त र नं
वी सैं व न गु श्री कृ ष्ण बल व ह ड नीडि से न सी या वः अनी दू गु ली
थि स द डी व ली से य नः थ न ली सत धनु या मल म डु ल्य या व श्री
रु भ र ठ तो ल ता व धा व ल ल ची ना वः सत धनु या व स जी ना व
प रू नं पा ला व दे ल धे ना व ठ न ली थ या म ल म नी डु म डु व स त

तो का व म या न म नी म ड या व श्री कृ ष्ण न जल सा क ल व ह डे सा ^{प्राता}
धनु मो च का गु ली स फल गु ल दान धाल साः सत धनु मो के ल म
नी म डु ध कं ध या व बल व ह ड न गु ली धाल मो प्रा ता श्री कृ ष्ण
आ म म नी मे ले सी सी त या कृ ष्ण ल गु डे जा व दारी का व ना व वी चा
ल या त न ने च कं मु तु रं थो ध या वः म न स गु ल सां थो थो भी
या खाल ल्य या व थो ने म ले व ध कं भाल पा व धालः भो श्री कृ ष्ण
दारी का स ठो म नी वी चा ल या त हु नी जी त गु ल सां थो म नी

पीठा देस याता जा जनकया ठास बीवाल यात वरौ कंधया ववनः
धकं नात गे नकरा जान ता याव वल वरु थे न धकल सिल वज
नवी जिव दयाः हस्ता धि पां दूर व आ च म वी या व पुजा माने या ना
त्र यु गु प्र कार न द दी त थ दे स स चो न थ थ चो न वे ल स दु ज्ये
धन व या व वल वरु दया के ग रा पु ध स नो व चो नः थ न ली भू
रु भ न गु ल सा ठ म य को त न द्वा री का स वी ज्यो नी व स ते
भा मा या था स व ना व स त ध न्वा मो को र व सि मंत क म नी न गु व क

ना व वी ज्यो त थो न ली स रा ज री त त जा ते ल ज मी स त या स
ठ क या व अ गी नी सु व का र या ते माल को रु या ध न का वः श्री
रु भ न गु ल सां से मंत क म नी वी चाल या ना व स ते ध न्वा या थ
थ थी ती दुष्ट मरी व भा इ व धु ली ल नाल भा इ व धु ली ल नाल ही ती हे
गार ठ व को से वी चार या त गु ल स त ध न्वा मो व क गु हा व प्र सा अ क रु न
सि या व जी री त मो व के रु ध क माल या व नी सि वी सी व न थ ठे निल नी

त्यवये। श्रीदीक्षा शानना उपात वासगाना वदेस वाक न क नं अकु
मदया वथठे गुलधकं धावगुवात ताया जगत व्यापीत श्रीकृष्ण न
गुलसाः थमस तेन लोक प्रतीया युनरी श्रीतीन सुभा दयका वउपा
ठरलोक वन मुनका वउपा आशदयका भोलोक सकल भावें थं वरीका
शआली उपात गुल थं दुया नरी श्रीतीन थं कः दपन तेन ठमंडरिया
थं धावधकः आशदयका वः उमन नंद धायाना मप्रदीप्त संसेन धाल

~~श्री श्री कृष्ण स कं धावगुवात ताया जगत व्यापीत श्रीकृष्ण न~~
पुर्वकाल मका सी राजपरा जेस श्रीमहारी दत वा मगता व अकु म्मावगु
बोडा वलीनी थदेस म वा गातः थठे वा गाना वका लीरा ज रासत पावः थ
पुत्र श्रीगां दरीनी म कं डा मुफु फ यात वरील भो श्रीकृष्ण सभा लोक कं
नगा गां दी नीधकं ग थेना म गुल धकं धाल साः मा मया वा थमंडरी मंडा
दवोन रु म नी दवा थम वा स्यली स्व दत ही दमि सा दान वरीया
नली नी मुवा गुल थो ते या नी श्रीतीन थो जादी नी धकं ना म गुप ठ
ठिंड मगां दी नी या पुत्र अकानं देस तोलता वर स्यली अना प्रष्टी गु

लउत्पातगुलधर्क आरुधर्क अकुरो न्यमालधर्कः इनापयान्या
रुश्रीरुभनगुलसां धर्कधर्क भालवावदुतद्वेयाववोनकल
रुगडावगुलसभासुधवावतलधनली श्रीरुभनगुलसां वल
भद्रवकावधालभोप्रातावलवद्रुसते सानवधायाजीकेसेमै
तकमनीमुदुधकाधर्कधर्मावपेला नालावस्येलीः दुरुयादी

नससभासअकुरवोडावधालभोप्राता अकुरसाधडागीसेव
नवेलाससेमंतकमनीदीकेसीतयावतअगुजीनसोयाआमनी
जससुरसराजीतयाजासापुत्रीसत्यभामाः धोयाकावदतआम
मवीवयाभागगुलधर्कधर्क आममनीसभासंकेवजीददावलवद्रु
द्रनंजीनलीभयातधर्कभालपुजीनसतैयाना नंप्रततिमगुव
धर्कतआममनीददावलवद्रुद्रुमाकेवद्वानंधालसाजीतेक

लं व म द य के मा ल ध कं ध या न अ कु वी खा दी न ले ज्मा या हा
व को ना व ची नं थो म्म या व ह नं : रु म न आ ग्मा द य क ल : भो अ
कु दी नं हरी ठं नं सु व न नि म न मे या हा व ची न गु आ म से मं त क
म नी या प्र भा व नं मा वु ल ध कं ध या व : अ कु र न गु ल सां म नी जी
के ची न ध कं श्री म्म म नं म ल ध कं मा ल या व ठ व के न म नी

पी क या व श्री क्म म्मा त वी लं : गा ठि गु म नी धा ल सा श्री सु र्ज
या थे तं ग ड थ थौ गु म नी व ल व ह द व सु दे व उ ग्रा से न रा ज
आ दी स म स्त शा त के ना व धा लं भो भ्रा ता व ल व ह द्र थो म नी जी
नं क या म लु ष व ल ध कं ध या व आ ग्मा द य क ल : भो भ्रा ता
व ल व ह द्र आ व ठो म नी दि गी स्के ता य म सु दू नं धा ल सा जी गु

इति श्रीमत्तुलसीदासजीवचरितम् ॥ १६९०८ ॥ कलातद्वदिगुरुद्वस
सांवाहीमंतसंगयवः अतेनंदीजीसेनंस्त्रचेयायकइवमपु
धकंधायाधः अकरायादेवनेशुपतनमंतीवीयावधालसो अक
रठोमनरीसतेभाभायाकाययाभाजधकं अथेनंदेनंकयाव
लीवधकंदीयावतलः अकरानंगुलसो कयावथवगतयोतसं

कोवासेतलगुलः धनं अकरायातवीलधालसाः अकरपे
वित्रदेहगुवयातीसीतीनः यो अकरज्वलुगुदारीकादेस
शवोनावरुलउषुगुनीकीउतमातमगुलः भासनतकमार
ग्रीकृष्णयातगथेपालयातधकंदेनंतेनभठेनंधकंधातेनं
ग्रीकृष्णनं यो प्रतयातानांतिनीकलंजमदतः भासनतक

माहः श्रीमान् जनने सदा व्रत याना नंती निरी प्रसुरदैते
त्यये फल व्रत्ता नं जने सदा व्रत याना नंती निरी प्रसुरदैते
दये कल भो व्रत्ता नं याना नं जी अती संगुष्ट गुल आव
आन दल याल सेन दुको ने धन आजा दय कलः व्रत्ता नं गुल सां
आजा दय कलः भो भोगने स जी त वर दान वीय गुल सा जी नं शु
वि प्रा गज नी र नी घृणी ध ग्रय सातः धकं को नं जने स तं गु

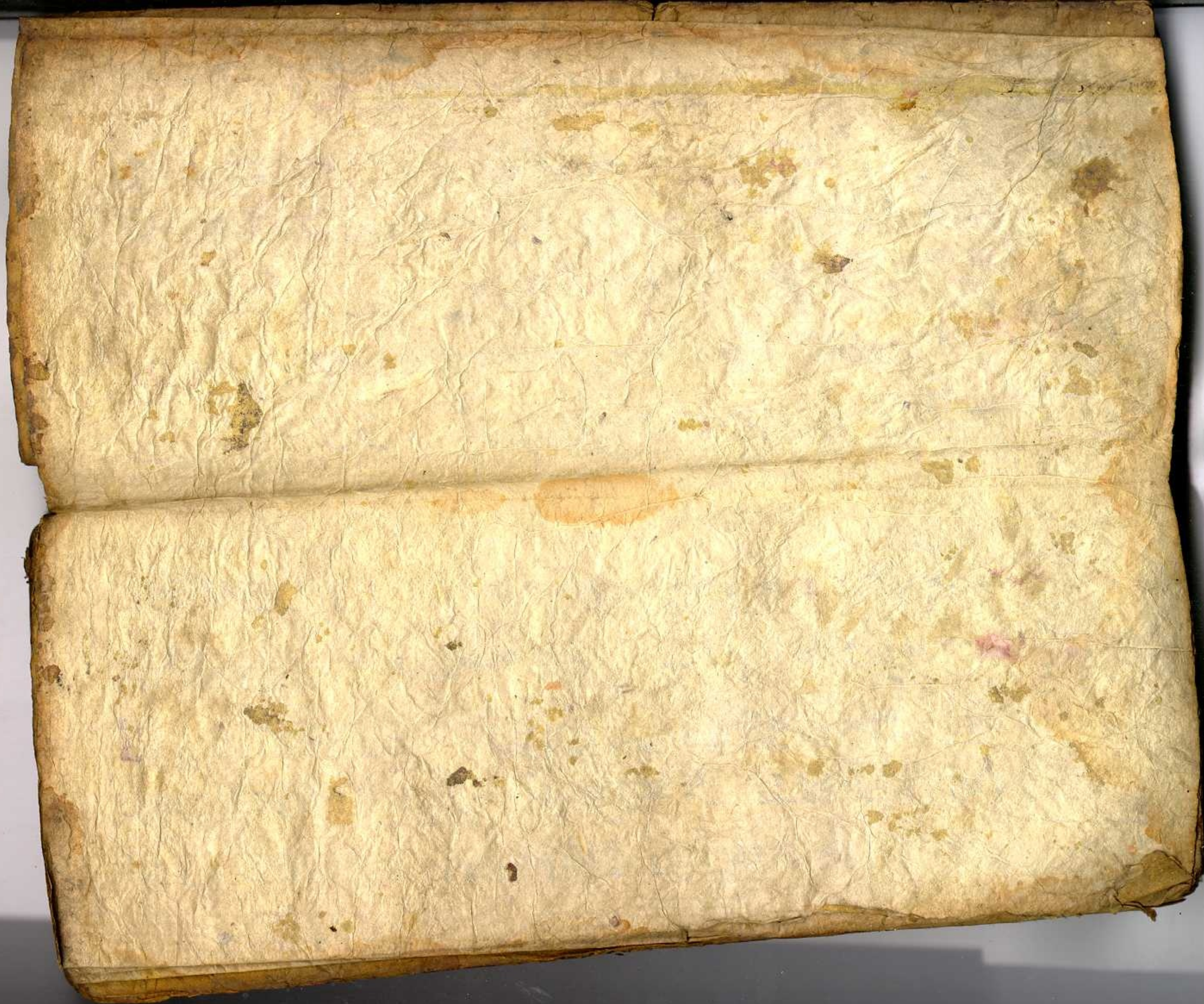
त सां आजा दय कलः भो व्रत्ता नं ठा सु नं य सात धकं आजा
दय कलः व्रत्ता नं गुल सां र सता या वल ५ आ दी ना ना नर कार
सा म धी च धी ले इ जने स या न वी या व गयो स नं गुल सां न
अ म धी सु ज दित स त या व व्रत्ता नं प स र्ज सं वी ज्ञा तं थ ये
वी ज्ञा ना व रु सा स र्ज सं थे डा व चं दलो क स वी ज्ञा तं थ नं

चंद्रमानं गुलसां : कीसी घाटला लखलखा प्रो कलवा थलवुगो
लखवा गो लखी दु ग घाट को बल ग गो लख पाव चंद्रमान गु
लसां हा से मा डा ब धाल : गठि उ म ग ने स ध क तां दु म मा न
ब ब गु ल्या थ धाल सा त व उ व ल दु ती ला हा धाल सा प ती प ती हा
क ल . लख धाल सा ता हा क ल : अ ती वी न प ला क ध क ली

या डी व थ डे स से घाट गु व च न ग ने स न ड ना व अ ले त को ध धा
ना व सी ला सा उ न क ना व आ प वी लं प्रो चंद्र मा थ म डा ती का
न ला क ध क जीत से सा त थ ते न ठ नी न सा द्य ग व स से न ल
न व ल सा त क लं वि न य मा ल : ध कं आ प वी सा थो शा प
ग ठीं ड धाल सा लु या व का त लु या व य न ध क थ डे मा
प वी या व थ थीं गु आ प ल के ना व थु गु नी न से ग व स से न







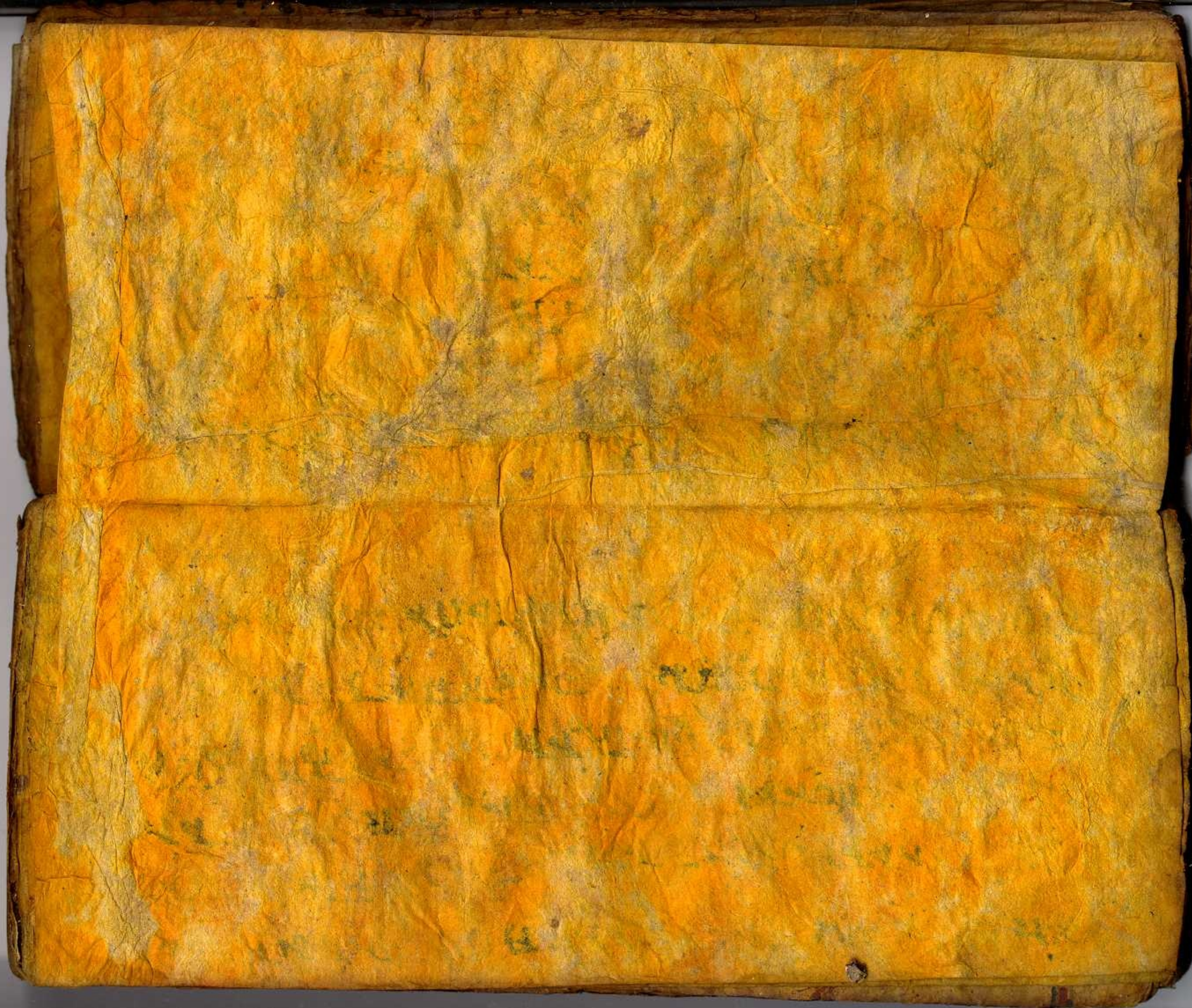














मफुयावः माला लज्जा च न्द्राका व चाता
याहे कोतुवार साति निनी स्वाता दये महल
वर्कः कृमी गतरा जानीः आग्ना दये कावः ध्वते
जाया आग्ना न्द्रावः कोतुवार साति निया थात वना व चाली ॥
साति निनी रजा यात स्वाता सिता फल दये मह्याः रजाः अप
सने लनावः दती गित सासी या ईव चर्कः चयावः थला साति नि

अतिगपानावधायाः हे कोतुवालभाजुः जिअतिआसाज्यजलः छान
चातसाः ध्वफलवारिसिजिनीचातीहीनीमतोलतस्यचोनाः ध्व
तीः स्वाणसिताफलः सुयुक्तयसाः हतीमरुत्तनावः वलाः युयाव
देवलोकनयलाः देतलोकनयनः मनुष्यलोकनयलाः जिनी
ध्वत्यपानिमितिनः राजायातस्वानहयेमफुतः आवग
विनतियातवनेमलीः वचोनाः आवगध्याय

लाराआवगध्यायः सुनानः गोह्मतीजि
जालवातस्वानसुनानः युयावयनः जिजिराजायापर्जनजाः ध
ध्वत्येछालिवजाभयुधकः हनीजिगीराजाअतिवेवेकधा
दिदयाकपमाधारिः ध्वत्यनः मेवदेतयाप्रजालोकनयनसाः
जिनीमसियाध्वकः ध्वतेनः राजायाकेः विनतियातवनेनुयो
ध्वकः निह्नवनावः कोतुवालनः राजायाकेः विनतियाती॥ हे

माहा राजः अति आसार्ज्य जुलः फलपोल या फलवारि ससि सा स्वा
गाद कोः रुया वयनः आ वग ध्वयाय मालः दलपोल स्वर्न विचा
रयाना व विज्या य मालः मालि नि अति ग्याना व चोन चर्कः को
तुवार न विन तिया ती ॥ ध्वते को तु वार या व चनः ने ना वः रजा या
मरा स अति आसार्ज्य चाया प्र चि न ल पा वः राजा न ध्या या ॥ हे को तु वा

रः रिजि व कै चा सः सि सा स्वा गाः तु नानि रुया व यन चर्कः भाल पा व
ह क सी ग त रा जा ती ॥ श्री नाद र मू नि स्वर या के आ ग्या द य क र्त्त हे
नाद र मू नि स्वर ग ठिं गु आ सार्ज्य जुलः रिजी फल वारि सः चो रा स्वा न
सि सा फल रुया व य राः जित जा लो क रा ध्व या यि व म ता याः जि नी जु ल स
मुं गो लः ध्व व दे स या पु र्ज नि जु ल साः मे व दे स या क त क र्त्त जु ल सीः जो
ह्य स्या ती ॥ ध्व मि सा स्वा राः श्री ना रा य नः पु जा या य या तः फो रा व ल सा वि व

॥ चर्क चया वतयाः थथ्वन दलययानावः स्वानसिसाफलश्रया वयनध्व
सुयाज्याः स्वर्गयादैत्यलोकलाः पातालयादैत्यलोकनीयरालाः अथवा
गर्ध्वपनिस्परांलाः किं नु वपनिस्परांलाः हराथवदेसया प्रजा सति
लाः मेवदेसया प्रजविद्यावयरांलाः चर्कः हेमनिस्वरः थ्वगथेजुलसुयाज्या
चर्कः हरां केवज्याकावतयात्ममातिनिरीः वलथ्वलचकविद्यकयानाव
कनेमपु चर्कराजानां आगपादय कर्लः थ्वत्पराजाया आगपानेनावः नादर

मुनिस्वरनीः थ्वगथेजुल चर्कः च्यारा^{या}नावस्वस्यविज्यार्तः ॥ हेमाहाराजः च
लपातयावकैचासचोनः सिसास्वाराः स्वर्गयाविद्या चरिपरिस्परायरा
चर्कचयावः थ्वथेलसः तक्रमगितराजानः मातिनियारेवने चयाः हेमा
तिनिः आवथरातिनिस्परेलमवयकजागतयानाव चोव चर्कचापावः
श्रीमाहादेवयाथासचोरागचुलजोनावरुति चारुसः सुगोहवः
लसलदतसाराफ्याथ्येजोनावतिवः हरीभाताचुक्रथनाणवविवः

आव दृष्टा तः हारः गवा हारः मालाः आस कोतु वार वो ना व य व च्च कैं ॥
चाया वः च्चयेरा जाया आग्याः ये ना वः मालिनिर्गः कोतु वार निम गु
गु चासः सिव लिगे द या व चो नः इ गु लि था य स व ना वः व पु ना वः धु
तद को जे ना वः व कै चा स व ना वः व्या लि या य च्चुरा का वः द गु चा स व
ना व गो ल मु ना व चो नः च्चया लि हु न य का द सि र्बु नु सू य रु च्चार्क
वि मा ला स द ना वः रु क्म गी त रा जा या फु ल वारि स व या वः अ लो ग लि ता

फु ल वा ना व चो नः च्चये ल सः मालिनिर्न रु ल न चा ये का वः मालि
निर्न चा याः हे को तु व ल भा जु द च्च कैं च रा व कै चा स व या व चो ला दु च्च
कैं च या वः च रा को तु व लः द ना वः रा जा या आ ग्या च्चः सि व मो रे ल च्चु स
री हो ल वः भा ता चु क थ ना वः च रा वि द्या च्च रि न भो ल पा वः आ व ग थ
या यः म नु च्चै लो क न जि ष ना वः आ व जि र थ म द्या त च्च कैं चा या व
ग्या ना व चो नः च्चये ल स मालिनिर्गः कोतु व ल र्गः वि द्या च्च रि जे

नेत्यनावः धराविद्या चरिर्नचात्तः हेमनुष्येदिमित्यणीः जिठिये मय
वजिजुलसीस्वर्गयाविद्या चरिचाया ह्मधुकाः वैकुंथमः विष्णु
जायायतसिमास्वाराफलफलकालवया चर्कचायावः धराकोतुवा
लराजायावासवनावचाया॥ भोमाहाराजः धलपोलयावकैचास
स्वारासिमाफलः युयावयने चर्कवयावचोराः आवधमिसाजिमि
स्यणीजोन्यतेनावलसः धमिसानेचालः हेमनुष्यलोकदिनि

स्यनीजिठियमू^{ते}वचर्कचायावः धराचात्तसाः तुकुमीगतराजाना
तदसहितणीः धराराजायाठासचोकोवोनावः वकैचासस्वलविज्या
रुनिचर्कविनतिपार्तः ध्वतेमासिनियाभाषान्यनावः राजाणीः ना
दरमुनिस्वरयान्हेवनेः भाग्यादयेकर्लः हेनादरमुनिस्वरः ध्वरवस
दनावफलवारिसस्वलवनेनुयोचर्कः चायावः नादरसहितनफ्र
लवारिसस्वलविज्यार्तः धरानादरनीः विद्याचरिषर्नः धनः नाद

रन आग्यादये कर्त्त ॥ हे विद्या चरिः हर्न आससि सास्वा रासुयात का
लवयाः सुगी दोयाव हल चारव चर्क चारयावः चराविद्या चरिर्न चार
या ॥ भो नादर मुनिस्वरः जिर्न जुलसीः च्वसि सास्वानः स्वर्गयादे
वराज ईन्दु याः ये कादसिया उपासन चोने यातः हर्न वै कृ थत श्री
नारायण प्रजाया येः यात जिर्न च्वसि सास्वा रा कालवयाः हे नादर
मुनिस्वरः स्वर्गसध ठिने सिता फलमदु चर्क थरा कालवयामधु

हे नादर मुनिस्वरः स्वर्गसध यासि रीः अरो अरो गसि सास्वा रा द
स्य चो नः स्वर्गसद कोपि ठि विर्न मधुः छल पो ल स्वर्गसध पा ता ल
सीः हि तु हिला व विज्या कहलः हे मुनिस्वरः च्वरा जा अति विष्नु भति
च्वरा जा यात मोक्ष गति लाय निमृतिर्नः जिर्न धू रालि सिता स्वा रा
कालवयाः चर्क चारयाव ॥ हे मुनिस्वरः आव्र जिस्वर्ग वा ही वने स
जिलः च्वसि स्या रीः ग ठि रू वि चान याना व तलः आव्र ज जाल जु

लः ग ध्वयायः ग ध्वे जि स्वर्ग था हा व शोः ध्याया वः छ ल पोल स्यराः स्वर्ग स ई डा
दि दे व ता या तः वै कृ थ स वि भु या तः ध्व व कै चा याः सी सा स्वान म ध्य राः आ व
ध्व वि द्या ध्व रि या र ध्व न्या त के म जि लः ध्व भ ति आ सार्ज च कः चा या वः ह कृ मी
गत रा जार्नः आ ग्पा द ये क लः हे ना दर मु णि स्वरः आ व जि ० जु को पर मे स्वर या
के जि अप रा ध जु लः ग ध्व या ये च क चा या वः ह न ना दर रा वि द्या ध्व रि या मे
व ने न ना हे वि द्या ध्व रि आ व छ ल पोल स्य र्ग सः ग ध्वे था हा वि ज्ञा य च क चा

या व ॥ हे मु नि स्वरः जि स्वर्ग ठा हा व न्म जि य के उ पा ये छ गु ति दूः छु चाल सा ध्य
दे स लः ये का द सि वर्त चो रा लु द व ला द त साः ध्व मि स्पर्नः जि र थ ठि ये कि वः
ध्व वे ल सः जि र थ न्धा ई वः अ थ वाः ये का द सि वर्त चो न लु म द त साः न न्द ग्वा
ल या व स द त सा न जि वः ध्व ल न जि ठि ये कि वः ध्व य ल स जि र थ न्धा ई व
ध्व छ ता जु को उ पा ये तः मे व ता उ पा ये जी म दुः जि त वि र भ या य म तेः वि ली भः
या त साः वै कृ थ स वि भु ना र यि नः अप स रा जु ई व च क चा या वः हे मु नि स्वर

रजि जुल सां गो लस्य नः थव कै चायः सि सा खान बात वलः वल राग थ
कः सि व निर्मालेन के व सर पति हा या वल वल सर म ति जि नि चा गा गु
हर्नः भाता चु कु ठ ना वत याः थवे धान यात का वत लः थ वि द्या च रि सा
र थ म ह्या वः आव ग थ ये या यः च क वि द्या च रि न चालः थ रि जी दे स स
ये का दे सि वर्तः द न सु द व ला वि चार या त का व स्य ये च कः को तु वाल न्
व न्य रा जार्नः आ ग्पा द ये क ली हे को तु वाल आव धर्नः थ दे स स ये का द

सि वर्त चो न प नि वि चाल या ना वः थ रा वो ना व ह ये मा ल च कः को वाल धो
त ॥ थ न ति र न रिंग वा या को तु वाल नः थ व दे स सः स म स प्र ज लो क या
के ने ना व जु लीः थ व य ल सः थ दे स या प्र ज लो क नः सु ना न ये का द सि या व
त चा या गु ने न्ये ना प म सि याः जि मि स्य न जा म सि या ने न्ये म न ना च कः
चा या वः थ रा को तु वालः रा जा या ठा स व या वः रा जा या त ति स ल व क न
भो मा हा रा जा रि जी दे स स प्र ज लो क द को स्या के ने ना वः व ये चुराः सु ना

नः य का दसि या उ पासन चो ने ने ना च्वा व ली म दूः आव ग थ्य या य च्वा या व ॥

ह न रा जा न च्वा याः हे को तु बालः आव ग थ्य या येः मे व या दे स स व ना व मा
ले मा ले च्च कीः ये का दसि या उ पासन चो न म द त साः न न्द ग्वा ल या र्व सः ग
न द त सा नः वो ना ब्र ह्म मा ल च्च कीः ह ये म फू त साः ता स्मी या येः वो ना ब्र ह्म
ये फू त सा प्र सा द वि ये च्च की च्वा या व दो र्ती ॥ थ्व न लि ह न को तु बाल नः मे व
या दे स स व ना व मा ले च्च कीः व ना व प्र र्ज लो क या के ने ना व जु लीः थ्व थ्य रा

य का दसि या वर्त च्वा या गु ति ने ना च्वा व ना र्व म दूः आव ग थ्य या य च्च की
म रा स अ ति च्च न्दा क या व मा ल जु लीः ह न अ ने ग अ ने ग ठ ये स मा ल जु
ली ॥ थ्व वे ल स न न्द ग्वा ल या र्व स द्द ह्म ना प्र ला व ने न हे मा हा प्रु त व द न
के द ता ने न्म आ स्या च्च की च्वा या वः थ रा को तु बाल न ने नः हे मा हा प्रु त व द
ये का दसि या उ पासन चो ने न ना ला च्च की ने नः थ राः न न्द ग्वा ल या र्व स रा
च्वा याः हे मा हा प्रु त वः ये का दसि या वर्त च्च या गु ति जा सि याः उ पासन चो ने

जामननाः हे माहाप्रवरवद्यायेदिनीथठेनेनादिमुजुईवगतनरायतेना
दिमुजुपिवः नामदुधकनेनीथठाकोतुवालनचायाः हे माहाप्रवरव
जिजाजुलसीगरुक्रमीगतराजायाः कोतुवालः जिनामजुलसीहिनग
चाईवध्वकचायावः हनीनंदगालयावसनः कोतुवालयाहेवम्यचा
याः हेरनग कोतुवालः जिदेससादसलहिनावतयादूः दुरुयादिन
सः ध्यसातनावः मालजयाः ईरुनुयादिनसः मालुयावः हनीलानिदु

नुः लालुयेकावदेवनावतिनिअन्नगायाः ध्ववेलजिमिपासादसल
राचायाः हेपासादनीसातनललूलताध्वकनेनः ध्ववेलसजिनचा
याः हेपासाजिनीसिगरुदीत्यलजुयातूयेकेमफुः थनितिलूयेका
वहयाः हिदिधानलानावसातूयेकावहयाध्वकचायावः ध्ववेल
सः ध्ववेलसजिमिपासानचालः हेपासादजाउपासनचोनार्थेयेन
धानचालसाः सिगयादिनासः यकादसिध्वकी॥ चालहेमाहाप्रवरवजि

रायिकादसियाउपासन चोन्यवायागुलिः ग्वेलेसमसियाः थुलिचावजुक्
तायाहेमाहाप्रहृत्वचकी॥ ग्वलयावीसराचायावः कोतुवालनंचालीः हेमाहा
रुषआवजिमिराजायाथासवन्यनुयोठकीचायावः हुनीः ग्वलनंचायाः हेको
तुवालजिछायेदिमिराजायाथासवनेः जिपनित्यनराजायातअसिवायानाह
जिछायेराजायाठासवोनावयेनेत्पनाः चकी॥ चायावः थराकोतुवालः

नंचायाः हेमाहाप्रहृत्वः दनमरासधुसदेहकायेसतेवहेवनेचाया
थचावचकीचायावः थनग्वालयावीसराजायाठासवोनावयेनीथरा
जायाठासवनावः नंदग्वालयावीसनः समष्टविस्तीतचायावः विनति
यानी॥ थराः नंदग्वालयाभाषान्येनावः राजानीचायाः हेग्वालयावीस॥
आवथथैगगासवनावमोलहुयावः वयेमालचकीचायावः थनराजा
याआग्यान्यनावत्रिठसवनावमोलहुयावहनीराजानीआग्यादयेकली॥

हे नन्द ग्वाल आव दृष्टा ध्वविद्या ध्वरि यारठ भति च्छाना व द्वा व ध्वकः ध्वा
यावः धनः ग्वाल याव सनः रथ धियामात्र नः रठ अका लतः स रर र ठा
विज्यात ॥ ध्वव्यलसः ग्वाल याव सयातः पुर्सा द विली ॥ धरा न कु मी गत
रा जा तीः नाद र मु निस्वर याहे व ने आ ग्या द ये कर्त्तः हे नाद र मु निस्वर ॥
ध्वदे ध्वदे ध्वायेः ऐ काद सिव र्त ध्वकः छान ध्वाल साः ये काद सि ध्वक म
सियाः ऐ काद सि ध्वन ध्वन अन्न मन व हर्नः रठ धिये का व म न्या व ल्प
न्या ना व स्वर्ग ठा स ठा ही व नः ध्वते या नि मृ ति नः ऐ काद सिव र्त द ने अति
भीता धनि ध्वक ॥ हे मु नि स्वरः आव जि न ये काद सि या व र्त चो ने ई ध्या
जुल आव ऐ काद सि या वि ची परि मान ग ध्ये २ मा ल ध्वल प्रो ल स्ये न आ
या द से वि ज्ञा ये मा ल ध्वक ॥ धरा नाद र्त्त आ ग्या द ये कर्त्तः हे मा हा राज ने
मे वि ज्ञा न्नि ध्वकः ऐ काद सिव र्त या परि मान अन्य गत र्त्त न द वः ध्व
ते राः सु कल प ध्य या द स मि ध्वन ये क भ गत या ना व चो नेः ऐ काद सि ध्व
नु रि रा हा र्त्त चो न्यः लि लू मि चो रा का वः अ गन या ना वः श्री ना र्त्त धे रा या

तपुजायायेः अनेगसिसाफलदायेः धूपनेः नैविची घेलकसीदाये
परिसानध्यताललातकावपुजायायेः ध्यनीसिद्धादसिषुनुपालनया
येः ॥ अठवाथठेयायेसफतसाः थवसतासभावभगतिर्नसाचीदुठे
ताललातकावः येकादसिषुनुदुरुकगिरहारनीचोन्यः थठेयाये
सफतसाफलाहारजुकोयाये अन्नखूनुमनये फलहारयायेः हेसाहा
तानः मनुष्यजनाजुयावः ऐकादसिपार्तुपासनमचोनसाजन्मकयाया

येथ्वकी ॥ वैकुंठसयायेसदूः फतसाध्वऐकादसिवर्तजन्मदिचोने
मालः सफतसारिनीलासः दपोलषुनुचोन्येः थठेयायीसफतसाज
न्मसदपोलषुनुचोन्येमालः थुलिसयासेसितसानः पटितनकवास
यायेमालिव्वकी ॥ ऐकादसिवर्तचोनसाः समस्तपापफुनावः वशि
वः धर्मसचिजुइवः विसुसतोखजुइवः जन्मसाफलेजुइवः वैकुंठ
सवासयायदब्रइव्वकी ॥ दकुमीगतराजायाकेवनेः श्रीनादरमुनि

स्वरनं आगादये कावः ऋषिस्वरथव आसनसविज्या तं ॥ ध्वनीलि
ठु कुमीगतराजानं आगादये कलं कलं ॥ हे मं त्रिलोक आवग्निरीदेस
सपुर्जालोकः सकल्ये ऐकादसिवर्त चोने माल धाव ध्व की ॥ आगा
दये कावः धूर्गाः मैना मैनापति ऐकादसिवर्त चोर्न ॥ पुर्जालोक या
त चायावः हे पुर्जालोक ध्व कीः रिनिदं न ठ जुको म्वा ज ले ऐकादसिव
र्त चो न्य मालः म चो न साः सा म्नी या य दं द या य चा या व त ली ॥ ध्वने प्रा

निमृति नः लोक समस्त लेन विवि प्रवर्कनः ऐकादसिवर्त चोर्न ॥
ध्वनीलिः ध्वदे स या पुर्जालोक मिर्तु ज को वै कु ठ म चो न व र्नः ध्वनलि ॥
धो दे स या पुर्जालोक र्गाः पाप या न सा नः ऐकादसि या कल नं द को
पाप पु ना व द को लोक वै कु थ स व र्नः ध्वनीलि ना गू ड लृ षि
र ज र्म र जा या था स व ना व धा या हे ज र्म र जा आव हू ल पो ल या
छु आ दि द व नि ग थे बाल सा म नु ध्व लो क द को ध्व ऐ का द सि व

तचो न वृ मृतु ज को वै र्ज थ स व र्नी ॥ नाना ह थ्या के न ली न रे का
दसि वृ त या फल न स म कृ पा य पु ना व द को लो क स्व र्ग व न ध र्कीः
ध या व थ न ज र्म ए जा न व धा य थो धा ये म सि या व धि छि ज दो ल
न चो नैः ॥ ध्वनी ली मी द्रा व रि धा या य व स स्व ये व लि ग मि व द या त्व चो
न थ ह मा हा दे व यां के छ ल म नु ध्व न ना ना व सु ति मा धु या व र्या नी ॥
थे वे ल स थ न या लो क न ध ना व जो ना व त लैः थ न लि ए जा या था

स म यो ध्या दा या व र्या तीः थ न लि मि व दू त व या व थ लि क क ल म
नु छे मि व दू न वि मा न स ट या व चो नः थ वे ल स ज र्म दू त व या व वि व
दू त या ह्यो व ने ध या भो मि व दू त था म नु छे म हा या पि सि व रि ग सो न व
ह्म छि मि स्य ए य ने म दुः ज र्म पु री स य ना व थ या स जा र्म या त क्रा त्व क
म भो ग या ना व चो नि व ध की वि मा न स चो ह्म ला त का व चो कालैः ॥ था ए
सि व दू त बाल हे ज र्म दु र्थो ह्म म नु छे न ज ने ग या या त मी नः छ क र्म

अधर्मया तस्मान् धर्मं ते कादसि व्रतं चो नाव ध्याया सर्वपापपुत्रं थो
ह्यसिद्धिमिष्य न सन्यदेव धर्माः जर्मया ^{पा} स्मर्त्तुं चि नाव त व ह्म फे ना व
कया व विमान सत याव जर्म दुत या त सा स्त्री या ना व दा या व छो ती ॥
सि व दूत न जुल सा विमान सत या व स्वर्ग सन ॥ थ ए ना ना पु न्ये मो
या त का व वे कुं थ सत या व त लः ॥ ध र्मं ली जर्म दु त न जुल सा न थ व
त थ थ्ये सा स्त्री या व स्व या व अति को र्ध या ना व जर्म ए जा या था स व ना

व सम ह्य वि स्ता त वि मति या ना व जर्म पा स जम दै त सम ह्य तो ल ता व वि
न ति या त थ ते नी थ व जे व या व च न ने ना व जर्म ए जा न जु ल सी न नां रु
द या ह्ये व ने ध या हे ना रु दु मु नि भ्य आ व जि व ह्म या था स व ना व
धु गु ली भा ला तो ल ता व व य ध की अंत ध्या न जु या व वि ज्यार्तः ॥ थ सा
लिः जर्म रा जा न वि शा ति या र्त ॥ हे पर मे स्वर ज्येष्ठ व ह्म राः ध ल पो ल या आ ग्या
थ्यः म नु ष्य लो क स हि त राः च ये पे ल र व ८०००००० जा त प्रा णि लो क या पा प पु

सा
न्यायै विचार्याग्रगुलिभालाजितवियावतलः आवधुगुलिभालाजिमये
दाराधाल साजिस्यवकजरायात॥ तिवदूतपनिस्यर्नः माहासासीयानावहल
कैः समस्तविष्णोतकनावजर्मराजानजमदिततोलातावलिहावनेत्मन॥ थवे
ब्रह्मारीः जोगध्यानयानावस्वर्त॥ ऐकादसिवर्तयाकह्मयाः अन्नेगपापदतः
मार्नः समस्तपापपुनावथ्वलमनूष्येपनिसकल्ये वैकुण्ठसचोनवर्नः आवथ्य
पिठिदीसमनुष्ये लोकसुनिजुलजवधर्कभालपावः जन्मराजायाहेन्यः व

ह्मानायादयकलीः हेजन्मराजाधर्नव्याखवअवस्यर्नवः जिरीजोगधा
नयानावस्वप्रधुनः छहतासचायेमतेवः जिर्नभालथ्ययायः आवधुगु
लिभालातोलात्ममतेवः थ्यगुलिधर्मपापविचार्याग्रगुलिभालाद्विनानी
मेवराफैवमप्रआवददधिरादिसावनावः थवराजेसवनावभालगुलिवि
रयानावचोराहुनिधर्क॥ चायाववोध्ववियावः थुगुलिजमपासः जमदित
वियावदोर्त॥ थ्वर्नलिब्रह्मानजुलसः पुंरावारजोगध्यानयानावस्वर्त॥

अतिरुपवत्तः तेन वत्तः सीजु कृत्त अस्त्रीजन दृष्टमई पतिप्राती ॥ ध्वल अस्त्री
जरा गठिरा ह्म चालसाः स्वर्गम च्ये पाताल सदको पुरुषजन मो हजुईव ॥
धठिन्य ह्म अस्त्रीजन जुयावः वृत्तान् नजुलसीः सरान् भालपाव आ हाव की
ध्व अस्तिजन अति सुन्दरिः रुपवत्त आव ध्वयाना म मो हि निवायेः च की ॥
वृत्तान् आग्यादये काः भो सुन्दरिः दृष्टात जिनीः दाये श्रीतीया ना धालसाः प्रि
ठिमन्द सत कुमारी गतराजाः चाया ह्म दृष्ट दस्य चोनः ध्वल राजाः मा हा प्र

तापिः हर्नः अन्य ग विष्णु गति जुयाव चोन ह्मः ध्वया पुत्र धर्मा गत चाया
ह्म दयाव चोनी ॥ ध्वल राजा या आग्यानः समस्त प्रजालोक प्रातः येकाद सि
वतः चोने माल च की ॥ ध्वयावतलः ध्वराजा या आग्यानः सकल्ये प्रजालोक
राः येकाद सिवतः चोनाव मनुजूलपनिः सकल्येः वैकुण्ठ पुरि सवर्न ॥
जन्म पुरिः वने म म्बालकावः विष्णु लोक वर्नी ॥ आवद को लोक मनुष्ये
तव चन कत्तनीयावत पम्पाया य म्बालकीः मेवता धर्म कर्म दान पुन्ये

याये मम्बालकीः धुगूले कादसिवर्तः देवद को मनुष्ये लोकः वै कूठसयेन
वै कूठस चो न्यथा स म दतः थरा वृत्ता लोकः इन्द्र लोकः स पालयाना
व चोर्न ॥ स्वर्ग लोकः स गनतये था स म दतः ॥ जन्म लोक चालसा सून्ये जु
लः मा हा अत भुत जुलः आवर्द्धनः जिव चरणे ना वः थ प्रिठि विस क
ह वि ना व ॥ त क म गित राजा या था सः व ना वः य ठे या ना र्नः दे का दसिवर्त
तो लत के मालः अने गना ना दल वल या ना वः दल क वत या ना व तो लत के

माल ॥ थ वृत्त राजानः दूरवनः ना सः अर्थात् मो ह जु ई व ॥ दन के ना ना बु छि
इत पति जु ई व च की ॥ वा या व द्यो र्न ॥ थ न लि ॥ थ मो हि निः जूल सः वृत्ता
या आ ग्या न्य ना वः वृत्ता या च र न स मो क पु या वः वृत्ता या के वे ला क या व ॥
त क म गित राजा या ठा स व न्ये च कः वृत्ता लोक न क ह वि या वः प्रिठि विस
वृत्ता जु ली ॥ वृत्ता अ र्ण न इति च्या रा जु या व वि ज्यार्न ॥ थ र्नी लिः त क मा गतः
रा जारिः स द या थ्येः म द्य च रि प र्वत म व ना थ श्री नारी ये नः द र ह न या ना

वः मनस भाव भगतिः सार्धं दकोदय कावः विधिपूर्वक रायानाव पुजाया
नावः अंगुलि ठाये संपिञ्चमयानाव विज्यात ॥ ध्वव्यलसः ध्वमञ्जु चरिष
वतसः अतोः ऋषिस्वरुनतपस्यायानाव चोर्नः ध्वः ऋषिस्वरुदकोवनाव ॥
राजानः नमस्का लयानाव वायाः हे ऋषिस्वरुचर्कः दलपोलया कपानः जि
राजगुयाव चोनाः हुर्न दलपोल स्पनः तपस्यायानानः जिप्रतापवध्वेज्ज
चर्कवायाव ॥ रुकुमीगत राजानः ध्वराज गृहे सवने चर्क ॥ ऋषि

स्वरुः सकेवला कयावः वर्न ॥ ध्वव्यलसः राजानः मोहिनि वर्न ॥ धनरा
जानः स्वयाव चोर्नः ध्वर्नलिः राजायाथासः सवतिकवयावः राजा स्वया
वचोर्न ॥ ध्वव्यलसः राजान मोहिनीयानेवने आग्यादये कर्लः हे सुच
रिः दगनः नवया दग नामधुः जानधुः दमिसा जनगुयावः दठठि गो
वनसः दग ध्ववया चर्क ॥ वायावः मोहिनीनवायाः हे माहाराज जि
जूलसीः वृजिलोकया अस्त्रीजनः आव ध्वमञ्जु चरिपवतसः गोवेलस

वये मरानाः थठयेस भोग ऋषित्वरपनि दटलनः याये चकैः जिधन।
वयाः आवः छलपोलयादरसनदतचकै॥ हे माहाराजाः जिनामजुलसी मो
हिनिचाईवः चकै॥ आयावः राजानः चयाहे मोहिनि छननामवः तपवचु
ललाक छवना वजिअनिद्वुसिजुये चूनः आवः छरां जिवचनदताने
नेमालः छुवालसाः जिधठि गोपुतषयावचनअमिथ्यायाये मतेव॥
आवः छनतजिः जिवयासिराद्व्यानुकावतयेः हनजिराजछलसगू

लिरानिदतः ३ लिस्पर्नः मानेयातकावतयः आवजिराजगृहे सवनेनु
योके॥ आयावः मोहिनीनवायाः हे माहाराजछलपोलयावचनगथे
मनेनेः गथअमिथ्यायाये आवः छुयाये छलपोलयावचनेनेमजुलजि
नविनतियानागुलिदतानेस्यविज्यामेमालचकै॥ मोहिनिनवायावः रा
जानः आयाः मोहिनि छनतछुमालछनछुचायेतेनाचवचकैआयाव
छनवायागुलिजिनभवस्यसत्पनीवियेजुलआयावमोहिनिनवाया

हि मा हा रा जा ॥ जिनि वाया गुलिस त्पनी विद्येः वत साः स देह म दूः गुलू
नु छल पो ल स के जि न वि न ति या येः इधु नु जू को वि ये मा लि वः म विल
सा छल पो ल स प च मा हा पा प ला इ व ॥ हु न छल पो ल या दा सि नु या व
चो ने म युः जि थ व रा जे स चो न व न्य व की ॥ हे मो हि नि नि न वा या वः रा जा
नः मो हि नि या त स त्प व च न वि या वः मो हि नि रा ज गृ हे ल वो ना व ये न
थ न रा जा नः नु ल सीः चो न हि न मो हि नि या के तु म न त या व नु या व

व पा के तु चित भु म ल पा व चो न ॥ थ न लिः स दा या धीः स्वे का द सि व र्त्त
चो न्ये व्य ल नु या वः सु क्र प क्ष या द स मि धु नुः को तु बालः रा जा या था स व ना
व वा याः भो मा हा रा ज छल पो ल या गा मेः इ त्या दि नः गु लि रा जे द या व चो
न इ लि था र्त्तः स्वान सि सा फ ल च लि दू ह घे लः सा व लः ह्ये पु थ्ये जो ना व
व य मा ल च की ॥ प त्र वि या व द्ये ये धू न च की ॥ वा या वः रा जा द र स न य
ना वः लि ह वि न ॥ थ व्य ल सः रा जा न मो हि नि या के व ने वा याः हु मो ही

निःथनिर्नर्त्यः स्वकृतः जिर्न सुवनापि आसना सया ये महः स भोगमा
ये महः जिह्वाकादसिवर्तः चोन्ने मालः चर्कः ॥ चायावः उगुलिकरणिपि
ह्रीविज्यायेत्यर्नः ये लल मोहीनीर्नः तूखासः पनावः मोहिनीर्नः जुल
सः राजायाके चायाः भोमा हा राजः आसे आसे चर्कः गुधुनः मन्त्रा
चरिपर्वतसः जिर्न विनतिया नागुलि आवः थुलि छलि सः प्रसिद्धा
जुये माल चर्कः ॥ मोहिनिन चायावः थरा राजान चायाः हेर्नु च

हि मोहिनिः थ स्वकृतोद्धर्नः आथ्ये थ थ्ये चाय मते वः थुगुलिः हे
कादसिवर्तः मधुनर्क विष मखुनि चर्क चायावः ॥ भ्व भ्वे कर्क
कोठानपि ह्रीवि ज्येयते नावः मोहिनिनः जुलसः कोथास चोना
वः पनावतर्न ॥ थ ये ललसः राजान चायाः ह मोहिनि छः छुजुलः छये
थ थ्ये वन्धन हथि जुयाः जि थ्ये कादसिवर्त चोने गुलि विट् भया
ये मते वः थुगुलितव चनः हे कादसिवर्तः छ फल सः चोवः अठवा

दु. चोने म फुत सां जि चो न नीः दु. चो नार्थ ० थुकाः थु गुलि वर्तः जि न जन्म
दिवा या मरुः जि न फुत ले जा तोल ते मरुः जि म नु जूल ना लीः फुत तसा
जि व स्रग व ये मालः म फुत साः जि ना म नः नाना धर्म या यः अने ग त्रि
र्थ सः अस्मान्ना मे नाना फल फुल सि सा ल्वा न दये का व द सि प तिः व
त चो ने मालः थ ये या ना व चो न साः जि पु त्र च्च र्मा ग त न थ व मा र्ग
थ मा न्ये या त व या सि न द मा न्ये या ना व त इ वः जि म द त

सां न दू रा म न स दु र् दे रु का ये म ते वः जि पु त्र च्च र्मा ग त र्माः जि के
या सि नः द न के त व भ ग ति जु इ व थु का च्च कीः द न त जि थु गु ठ ल वि र्
भ या ये म ते व च्च कीः गा ग ल प त स त या वः हा त जो जो ल पा वः राजा नः मो
हि नि या के वि न ति या ना व चो न ॥ थ वेल सः मो हि नि नः चा या भो मा हा रा ज
द ल पो ल स्प नः आ ग्या द य का व त या गु लि स त्याः व व आ व जि तः वु रे या य
अ भे रा अ न्य ग स आ ग्या द स्प वि ज्ञा य म ते व चा याः मो हि नि या भा र ना ने ना

वः मोहिनिर्नवायाः इन्द्रा नराजानवाया हे मोहिनिः आवधर्नः जिकेदुपुन्ये
तेनावायावः दृष्टा मरासः गुगुलि ईक्ष्वाजुल ईगुलि जिता अवस्यनः वि
येजुल ॥ धर्क ॥ वायाव मोहिनि या मरासः अत्यंत हर्ष माराजुयावः विन
ति यार्त ॥ हे माहाराजः आसा जि मनसः ईक्ष्वाजुव गुलिविनति यायेः प्रसन्न
जुयाव विज्वा य मालः धुवाल साः आर्वत्या दलपोलः टेका दसिवर्त चोको
चोराः आर्वलिः टेका दसिवर्त चोनेम दुःप्रजालोक यार्त तये मद्रा ॥ थुगु

लिमनस ईक्ष्वाजुलः हे माहाराजः थुलिया ये माल धर्क ॥ वायावः दृष्टाः
वायाः ध्ववर्तः जातोल त्य मालः ध्ववर्त तोल त्य म जि व वाल सा आसः दृः
लपोल या पुत्र धर्मा गत राजकुल या सिर ध्वेना वजित विय मालः हे माह
राजः थथे म दाल साः दलपोल याः सत्य फुतः जिर्न स रा प वियावः वने
तल धर्क वायावः रुक्मा गत राजानुल साः तव फल न क यावः क
लिमा गोल तुवर्थे गोल तुला व मुद्धा जुयावः लि क ल्म चो नर्थे चो रा

जुलः ध्व वेल्ः ध्व मीगतः राज कु मालनः ध्व गुली वात ता या व मा मया को
ठास वना व ध्या याः भो मा ता आर्व स्या धल पोल त्यनः जि ध्वाल स्व या वः
चोनः आ र्वली धल पोल से नी जि ध्वाल स्व ये गातः जिना मलु मन के मत्पे
वः ध्व कः ॥ ध्या या वः रानिर्न ध्या याः हे पुत्र ध्वनः ध्या ये अ ठे ध्या याः ठनि ध
धु जुलः ध्व गन वने त्यनाः ध्व ही अ ति आ सा ज्य ध्व हातः ध्व ध या का रन
ग थेः जित भी ता कः कने माल ध्व क ध्या या वः थ ये मा मया व चन ने ना व ध्व

मी गत न ध्या याः भो मा ता जि व वा जु या हे का दसि वर्त वि द्या स जु र्द न आ
व जि नः वि स्मा र्त्त क न्ये म ला तः दु ध र्स क ल जु ल जि व ने त्य लः धल पोल से
नः न्ये ने दै इ वः स्व ये दै इ व धु का ध्व क ध्या या वः को ठा स दु ही व ना वः क ला त
या ध्वाल जु को स्व या वः क ला त न म ख न क मि धानः ध्व वि स र र र व ये
का व आ व धु या यः जि व वा या स म्प ग थे पु त केः हे का दसि वर्त ग थे तो
ला त के ध्व कः ध्व पोल ग थे न मि ये मा लि वः जि व वा या स त्य ल व ने ध्व

कः खर्गद्विपु कयावः कलातर्न धनिवध्व कः भवे भवे कर्कः पिहावयावः
वयायाकोठावर्न ॥ ठगा मा मर्न मिखासः खविहाये काव मनस अनि
स्वकर्न विरापयानावचोर्न ॥ हर्न चीतलपावजि पुवर्न द्वाये भठे धास
थनिजि काये दुजुये तेनः हे माल उलवने तेनलाः वनवास देसीत वने
त्यनलाध्वर्क ॥ मा हा आ सार्ज चायाव चोर्न ॥ थनसिध्वर्मी गतर्नः ववु
याहे वने चायाः हे पिता मा हा राजद्वलपोलया मनसः दुर्ल देह काये म

त्यवः दुयायदै वनयातकगः सुनार्नः मखये के के व मयुः अठेर्न दे
वया आ ग्वा र्णः खर्ल सारसः जर्मजु द्वावः द्वापोल मर्न मजु मगा क
ध्वत्यर्नः मृतुकजुये ध्वर्कः ग्वा नानमजि वः ह्या था स वनलार्नः मृतुल
धलपेमजि वः आवदुयाः भोपिताः आव मोहिनी मा म यावचन ध्ये
जित्पानावः जिगद्वलध्वेनावः वयाला हातलः लवहानाव विवध्वर्कः
धायावः हुन धायाः भोपिता द्वापोलः हे कादलिवर्त चोवः भोपिताद्व

लपोलस्य नीः हे वया ना वतयाः ऐका दसि वर्त तोल ते मद्रुः छलपोलया
लाहति जिमृनुजुलना सँ छलपोलया सत्य लषल पाव विद्यानीः थु
लील सत्या फलनीः जितवै कूठल सवासला ईवः भोपिताः दव दव धर्क
धायावः थव थव पुत्रनी सतु सल तायावः रुकुमी गतरा जा फ्याथे
वप दनावः धर्मी गतया वचन न्य नावः मसरा भाल पावः थणि छुजु
येत्यनः अकास वानिणी वहात लाः हणीः मयुजि हिरा ला धर्क धायावः रु

राः फ्याथे धिर्जयानावः पुरा वार चिंतल पावः आव गथे यायेः जिलरा म
खुः अकास वानिणी वहात मखुः जिपुत्र धर्मी गतया वचन धर्कः आवजु
को जि फुरेयातः लहरा वल धर्क ॥ थव पुत्रः गथे स्यायेः हणीः ऐका दसि व
र्त गथे तोल न्यः आव गथे याये धर्क चिंतल पावः आव थथ्ये मयुजिः
पुत्र याव चराने न्ये मालः जिरा गृहे सत वल रानि दव जि दत लेः पुत्र द ईव
थुका आवः छुयायेः जिठ ववु सी नीः मोच के त्यना मयुः दै वरा यात का गु

लिमया मगा कः हृत्तां जि पुत्र या व च रा ध्यं या ये च कं ॥ फ्या थ्ये व प द न
वः थ व पुत्र या मे व रणे वा या वः भो पुत्र धर्मी गतः आव ग थ्य या ये जि जु ल
सः स मुद्र स कु ति रा व न थ्यं डः राः भो पुत्र धर्मी ॥ जि दु ख क ने ला म थ
म द त वा या वः थ्ये रा जा या आ ग्या डः ना वः धर्मी गत न् वा याः भो पि
ताः छ ल पो ल या दु ख हा ना नः स मुद्र थ्ये न् त्व व आव थ्यु ति दु य या स
मुद्र नो रे या ये पा त दों गा जि थु काः थु गु ली जि सी र स स स्त चे ना व

वि वः छ ल पो ल या न धु दो र्ध म दु भो पि ता छ ल पो ल या दु ख सी ति या ये
या नः मे व ता ड पा ये म दुः थु ली या त सा जि न् स्व र्ग वा स जु ई वः ए का द
लि व र्त चो न्य द नः ह न् मो हि नि मा म याः आ त मा सी तो य जु ई व थ कं
वा या वः त र वा ल हे व ने त या वः ना रा ये न या ना म तु का या वः थ व पि ता
या र वा ल स्व या वः गो ल तु ला व वि ल ॥ थ व्ये ल सः न कु र्मा गत रा जा नः
चिं त ल पा वः मि खा र्णीः खो वि हा ये का व आव धु या ये च कंः स्व र्ग क या

धायाः हे परमेश्वरः श्री नारायणः जि पुत्र याव च रा ध्यैः जि पुत्र सो च के
तेनाः आव द्यु या ये थुली अपरा च दे मा या ये मालः हुनी जि पुत्र ह ध्याया
पाप पुत का वः ज म सा स नान ये म म्वाल का वः हुनी पा प भोग न क भोग
म म्वाल का वः जि था स रु पा प्र सी ता जु या व वि ज्या प माल च क ॥ धा या
वः धर्म गत राज कु माल या दे ल च्वे ना वः मोहिनी या त ल व स्त ना व वि ली
थ रा मा हि नि धा याः हे मा हा राजः द ल पो ल याः पु त्र या सि र जित म म्वाल

आ वः जित मा हा पा प नी के नः जि म रा स द ल पो ल स्प र्णः थुली त जि नी धा
या ध्ये या यि व म ता याः आव द्यु या ये जि ठा स द या क पा द ये के माल च क
जि न थ थि र्ग म यु ख स्त ना वः टे का द सि व र्त तो ल त के च्व क भा ल
पा व चो नाः आव मा हा अ ना र्थ जु लः हे मा हा राजः जि मि सा जा त ग्पा व
या चे र्छ म दुः मा हा अ ग्पा नि थ ध्ये धा या नः थ ये जु ई ठ ठे या ना न च
ये जु ई च्व कः म सि या आव जित द या दे मा द ये माल च्व क ॥ हे प्र भु श्री मा

हाराजः जिअग्यानिया मरासठ थे भालपाधु चालसईपवासनः ध
मतिपत्थाठठिं गुः दुवदलपोलसद्वयेः न्यावनिनिधरलपावप्रजः
लोकरक्षयायानावः जिसहितनः प्येहान्या हारानिदयावचोनः द्ये
अनेगदुवसभुगतलपेचर्क ॥ जिअग्यानिया मरासठठे चोनावः
दलपोलः बुजेयाये अर्थन विरातिया नाधर्कः आवसाहअनार्थजुल
हिस्वामिः तिर्थजात्रावनेः नानाधर्मयायेः तपस्यायायेः धयागुलिः कथ

वरः ज्यापरमेस्वरः याकेजुकोठवमरासः एकचितजुयावः लुमटनाभन
यानावचोरासीभुगुतिमुगुतिदेवः भोस्वामि माराजअवः धरा
जकुमालः अगिससकारयायेगुलिगठे मालः अठेयास्यविज्जाहु
निधर्कवायाव ॥ धुलियानावः मोहिनिः अन्नध्याराजुयाः वृह्मालो
कः वृह्मायाठासवर्न ॥ ध्यरालिः कुमीगतराजायामनसः वधायेः ध
वाये मसियावचोपापापुवप्ये मरासअन्दोलजुयाचोर्न ॥ ध्यरालिः

धर्मगत राजकुलमनुजुयावः वैकुण्ठसविज्याकलः श्रीनारैयेन
अणार्नर्नध्यानजुयावः त्रकुर्मगत राजाया ठासविज्यानावभाग
दस्यविज्यार्न ॥ हे भतिजन दायेधर्नः मिताजन दहलस्यावचनर्न ॥
धर्मगत राजकुमाल दाये मोचकाधर्कधायाव ॥ त्रकुर्मगत
राजार्नधाया ॥ हे जगिनाठ श्रीनारैयेन धन्दे १ दहलपोतः अतिप्रिम
जुयावचोनः टेकादवर्त तोलत मालिवधर्कः थुगुलीकारनसजि

पुत्रयावचनर्नः वयातदहलधेनावः मोहिनि यात विद्याधवः आथ
गुलीअपराधेमायानावः जिठासकृपाप्रसन्नजुयावविज्यायेम
लधर्क ॥ विणतियानावः श्रीनारैयेनर्नजुललीः मिथान्धविहा
येकावभाग्यादयेकल ॥ हे भगतिजगधन्दे १ धायेदखवः थ
ठिगुजिके भगति याकमेवमदुधर्क ॥ गठेधालला जिगतिजन
यावटेकादसिदवर्त तोलनेमालीवधर्क ॥ ठवपुत्रयाः मस्तकधपद

पाना व चोने सा मर्थ दवः हे भगतिजः आवहन मन सधु ली दे हका
ये सते वः धन भतिनः टे का दसि वर्त स तोल तानः जि अति ली तोख
जुये धुन च्व की ॥ आ ग्या दये का वः च्व सी गत या दे स क या व ल
स धु ना व म्वात का व विल ॥ थ्व वे ल सः राजा नी विन ति या ना ॥ हे
भ गत व स रः अ मृत दु ति न स्य सा वः भो श्री ना टी ये नः आव जी

तः थ्व सी सा र स बा र वा रः ज म मृतु जु ये गु ली स म्वा ल का व ॥
पर विला ये द ये का व प्र स न जु या व वि ज्या ये मा ल च्व की विन ति
या ना वः श्री ना रा ये राः थ्व स्य व क ज रा नी पु ये सि र ज ये वि ज ये वि स
दू त द को वो ना व रु कु मा गत रा जा या दे सः स गु लि टे का द सि वर्त चो रा द त
ड्रि लि वि मा रा स त या वः वै कु ठ स ये नः ॥ थ्व लिः उ दा लि दे स सः से व दे स या
रा जा ध र ह या वः पु र्जा लो क द को मि ल ये जु या वः थु गु दे स स रा जा था य ना
या ना व त ल ॥ थ्व नी लीः मो हि नि न जु ल सां व ह्मा या ठा ये स व ना वः हा त जो

जेलपाव विनतियार्त ॥ भोपदमेस्वह श्रीसुदजेष्ठब्रह्मादलपोलया
आग्यार्थः ॥ प्रिथिवीतकोर्त्तवनावः ककुर्मागत राजाभादिर्नः स्वको
रवकोत्पत्तिः मोहजुयकावअलिजनयासुधाकतुकपेकावः हाये
गथीयेसुन्दरिचायेकावः थ्वयाथिंयेहपदन्दवानलाकस्तुमदुः
थ्वयागुलिरपस्वयावः जीमीजर्मवर्थवर्कचायेकावः वयेचुताः जी
गुलिवचरासधर्मगत राजकुमालयाहथीनंपुनकावजिवयेचुन ॥

आवः थुगुलिहथ्यार्त्तजितपुनकेसत्पवः थुगुपापफुतकावः जिठ्ठचार
यात्पेविज्यायेमालचर्कविरातिपानावचोर्न ॥ थोतेमोहिनियाः भाव
नेनावः श्रीष्ठीकर्ताब्रह्माण्डजुलसीः आग्यादयेकल ॥ हेमोहिनिआवः
धनवचराभावायेनेचुनः आवधनतहथ्यापापमदतः जिगुलिवचन
सध्वनावलिहविल ॥ थ्वतेर्नः गोत्तमनुधनजुलसीः विस्मृतताये
केचर्कः अनेगतपस्यायार्त्तवः थ्वर्नधर्मकर्तिर्नः अनेगतपस्यायार्त्तव ॥

नाना विठलसोलस्तु ईवः अथे यातनासः जिमि आत्मासतोषजु ईवः जि
आत्मासतोषयापकतताः समस्त पाप पुनावः वनिवः कामनासिच
जु ईवः आगपादये कावः लछिमिदेवि पाः ज्येवो सद्यो अलिः मोहि
नियातवियावः कलिजुगया मनुष्ये लोकलः मोहदूफि नावतये पये
मातश्चर्कः वरा मात चोनद्रुनि चर्न चोर्त ॥ हन आदये कर्तु ॥ हे मोहि
नि आवद्यथये वैर्कथस चोनद्रुनि चर्क ॥ ध्यायावः चाया व्यैः इगु

लिघरिर्कः बुद्ध्यायाव चनन्यनेनावः चरनर्त भोकपुयावः वैर्कठस वने ॥
ओनारयेन यात्यवा यानाव चोर्न ॥ थर्नलिः ऐकादसि वर्तः माहातव चरा
चर्क गोह मनुष्येर्नः धुगुलि सात्वाया प्रमानथेवर्त चोर्नः अथवा गोह
मनुष्येर्नः मनसः साचादये कावः सुचियानावः वा खनस्तुतः गोहर्नवा
वैर्न्येने अथवानाम धुनुकायेः वलपावा चोर्क मयानावत या पावद कोः
पु ईवः विषुलिवो ईवः दको पापपु ईवः पापमदतनावः नमता जनः ता
ये मत्वालि चर्क ॥ हर्नदरिडनासजु ईवः सनुटभये अन्ये कनासजु ईव